



04 - बाल अश्लीलता पर
कोर्ट का अंकुश
कितना प्रभावी



05 - क्यों होता है ऐसा
अनजान पर्यटकों के साथ

A Daily News Magazine

मोपाल
शनिवार, 28 सितम्बर, 2024



06 - जिले की एकमात्र शा.
हिंदी/उर्दू शाला को मिली उर्दू
शिक्षिका, क्षेत्र में प्रतिभाओं...



07- तर्पण के पहले
साफ़ई - माफ़ी तथा
काफ़ी

मोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-31 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रु.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./मोपाल/4-391/2018-20)

कड़वा

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मैं बहुत सुखी हूँ
इसलिए
जिंदा नहीं हूँ

मैं बहुत शांत हूँ
इसलिए
जिंदा नहीं हूँ

मैं सबकुछ सहन
करता रहता हूँ
और खुश रहता हूँ
इसलिए
जिंदा नहीं हूँ

मैं किसी के गम में
भागीदार नहीं होता हूँ
इसलिए
जिंदा नहीं हूँ

सारे अपराधी
मुझसे खुश रहते हैं
इसलिए
जिंदा नहीं हूँ।

- दुर्गाप्रसाद झाला

महाराष्ट्र : एक्शन मोड में शरद पवार, भाजपा की बढ़ी चिंता

प्रसंगवश

मानसी फडके
महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) राजनीतिक क्षेत्र में विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) यानि जोड़-तोड़ की कुछ जोरदार गतिविधियां चला रही है। वह किसी न किसी कारण से प्रतिद्वंद्वी महायुति के असंतुष्ट नेताओं को अपने पाले में ला रही है और इस प्रक्रिया में प्रमुख क्षेत्रों में अपनी ताकत बढ़ा रही है।
पिछले चार महीनों में कम से कम सात नेता एनसीपी (शरदचंद्र पवार) में शामिल हो चुके हैं। पार्टी को आधिकारिक तौर पर शरदचंद्र पवार के नाम से जाना जाता है। कम से कम दो और वरिष्ठ नेताओं- भाजपा के हर्षवर्धन पाटिल और एनसीपी के रामराजे नाइक निंबालकर ने संकेत दिए हैं कि वे पवार की अगुवाई वाली पार्टी में जाने पर विचार कर सकते हैं। शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी के अधिग्रहण ने भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है।
शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी में शामिल होने वाले कई नेता उन लोगों में से हैं, जो अपनी पसंद के विधानसभा क्षेत्रों से टिकट पाने को लेकर अनिश्चित हैं, क्योंकि महायुति के भीतर, खासकर पूर्व प्रतिद्वंद्वी भाजपा और अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी के बीच सीटों का बंटवारा चुनौतीपूर्ण होने की संभावना है।
महायुति में भाजपा, एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी शामिल हैं। 2023 में एनसीपी में तब विभाजन हुआ जब उसके अधिकांश विधायकों ने अजित पवार की अगुआई

वाली एनसीपी के नेतृत्व में शरद पवार की अगुआई वाली पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी और सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल हो गए। राजनीतिक टिप्पणीकार हेमंत देसाई ने बताया, 'आम धारणा यह है कि इस साल लोकसभा चुनावों में जो पैटर्न देखने को मिला, वह राज्य विधानसभा चुनावों में भी जारी रह सकता है। इस लोकसभा चुनाव में शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी का स्ट्राइक रेट सबसे बेहतर रहा और चुनाव के तुरंत बाद ही इसने महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों का दौरा करना शुरू कर दिया।'
लोकसभा चुनाव में शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी ने महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 10 पर चुनाव लड़ा और उनमें से आठ पर जीत हासिल की। इसकी तुलना में, भाजपा ने 28 सीटों पर चुनाव लड़ा और राज्य में नौ सीटों पर जीत हासिल की, जबकि अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी ने चार सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल एक पर जीत हासिल की।
शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी में शामिल होने वाले नेता अविभाजित एनसीपी के पारंपरिक गढ़ पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा से हैं, जिससे पार्टी, उसके नेताओं और उसके कैडर में विभाजन के बाद इन क्षेत्रों में शरद पवार की अगुआई वाली पार्टी की ताकत बढ़ गई है। शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी के प्रवक्ता महेश तपासे ने कहा कि लोग उनकी पार्टी में इसलिए शामिल हो रहे हैं क्योंकि बीजेपी खुद दलबदलुओं की पार्टी बन गई है। बीजेपी ने शिवसेना और एनसीपी को तोड़ दिया और अब अजित पवार बीजेपी के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। अजित पवार के नेतृत्व वाली पार्टी

के कई विधायक शरद पवार के संपर्क में हैं और अपना रुख स्पष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने बगावत क्यों की और वे कैसे वापस आना चाहेंगे।
जून से शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में शामिल होने वाले सात लोगों में से पांच बीजेपी नेता थे, जिनके नाम समरजीत सिंह घाटगे, बापुसाहेब पाठारे, सूर्यकांत पाटिल, सुधाकर भालेराव और माधवराव किन्हालकर हैं। पाठारे अपने बेटे के साथ शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल हो गए।
कोल्हापुर के शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाले घाटगे को भी अपने निर्वाचन क्षेत्र कागल में इसी तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ा था, जहां से उन्होंने 2019 में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। वह अविभाजित एनसीपी के हसन मुश्रीफ से हार गए। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कुरीबी माने जाने वाले घाटगे इस क्षेत्र से पार्टी के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक थे और 2024 का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के भाजपा के साथ गठबंधन को देखते हुए, महायुति सरकार में कैबिनेट मंत्री मुश्रीफ की उम्मीदवारी एक संभावित बाधा थी। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, इसी तरह, मराठवाड़ा के लातूर जिले के उदरीय विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक भालेराव ने भी भाजपा छोड़ दी, क्योंकि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी से एक मौजूदा विधायक है।
पुणे जिले के एक विधानसभा क्षेत्र इंदापूर में, भाजपा नेता हर्षवर्धन पाटिल के समर्थकों ने इस महीने की शुरुआत में पोस्टर लगाए, जिसमें पाटिल से शरद पवार

के नेतृत्व वाली एनसीपी का चुनाव चिन्ह तुरती अपनाने का आग्रह किया गया। 2019 में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए पाटिल के शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल होने की अटकलों के बीच पोस्टर सामने आए, जिसके बाद पिछले महीने दोनों नेताओं के बीच बैठक हुई थी। इंदापूर 2014 तक पाटिल का गढ़ रहा था। अगस्त में अपनी जन संवाद यात्रा के दौरान, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने इंदापूर सीट पर दावा पेश किया, जिससे पाटिल नाराज हो गए, जो महायुति के भीतर भी सीट पर नजर गड़ाए हुए हैं। पाटिल ने इस महीने अपने समर्थकों से बात करते हुए कहा, 'जब सीट बंटवारे पर चर्चा अभी तक नहीं हुई है, तो कोई भी सीट पर दावा कैसे कर सकता है? क्या यही महायुति धर्म है?'
पूर्व भाजपा नेता एकनाथ खडसे का भाजपा में वापस जाने के बजाय शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ बने रहने का फैसला भी भाजपा की जीत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि खडसे की बहू रक्षा खडसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रीय कैबिनेट का हिस्सा हैं। इस साल अप्रैल में एकनाथ खडसे ने भाजपा में वापसी के संकेत दिए थे।
अगस्त में, बारामती लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इंदापूर से प्रवीण माने अपनी बेटी सुप्रिया सुले के लोकसभा चुनाव अभियान को बीच में छोड़कर इस साल अप्रैल में अजित पवार गुट में शामिल होने के बाद वापस शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में चले गए।
(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

पश्चिम एशिया में बड़े युद्ध की आहट! डरी दुनिया

इजरायल और हिजबुल्लाह के संघर्ष में और देशों के शामिल होने की आशंका



तेलअवीव (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी दो बड़े संघर्षों ने पूरे विश्व को चिंता में डाल दिया है। हिजबुल्लाह और हमास के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। कई विश्लेषक और नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर शांति नहीं स्थापित हुई तो और देश भी इस संघर्ष में उलझ सकते हैं और यह संकट पूरे मध्य पूर्व को अपनी चपेट में ले सकता है। फिलहाल जो हालात हैं वे ज्यादा उम्मीद नहीं बांधते हैं। लेबनान में इजरायल के हवाई हमले जारी हैं। हिजबुल्लाह के साथ संघर्ष में भी इजरायल वहीं भाषा बोल रहा है जो हमास

के साथ लड़ाई में बोलता रहा है। इस बार भी उसका कहना है कि हिजबुल्लाह के खाते तक उसकी कार्रवाई जारी रहेगी। हालांकि करीब साल भर के मिलिट्री ऑपरेशन के बाद वह गाजा में हमास को खत्म नहीं कर पाया है। यहूदी राष्ट्र ने गुरुवार को इस बात से इनकार किया कि वह लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह और लेबनानी राजनीतिक दलों के साथ युद्धविराम पर सहमत हो गया है। बता दें अमेरिका और सहयोगी देशों ने 21 दिनों के युद्धविराम की अपील की थी।



सागर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्वलेव

बुंदेलखंड में 19000 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव

5 साल में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने का लक्ष्य : सीएम मोहन यादव

सागर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भविष्य का बुन्देलखंड, विकसित बुन्देलखंड होगा। प्रदेश में उद्योगों के विकास का कार्य निरंतर जारी रहेगा। छोटे से छोटे उद्यमी की सहायता के लिए भी राज्य सरकार पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। केन-बेतवा परियोजना के क्रियान्वयन से बुन्देलखंड के ढाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता की वृद्धि होगी, जिससे बुन्देलखंड क्षेत्र का स्वरूप बदल जायेगा। सागर में एयरपोर्ट का निर्माण होगा। इससे एविएशन क्षेत्र में संभावनाएं बढ़ेंगी। प्रदेश के कई स्थानों पर विमानन की गतिविधियों के लिए केन्द्र सरकार का पूर्ण सहयोग मिल रहा है, इससे रोजगार भी बढ़ेगा।



निवेश सुविधा केंद्रों का शुभारंभ- उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से सागर में एमपीआईडीसी के रीजनल ऑफिस का भूमिपूजन एवं संभाग के 6 इन्वेस्टमेंट

फैसिलिटेशन सेंटर का शुभारंभ किया। इसके साथ-साथ उन्होंने एपीआईडीसी कोयम्बटूर (तमिलनाडु) के कार्यालय का भी वर्चुअल शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्थानीय स्तर पर छोटे उद्योग लगाने

वाले युवाओं को पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री ने जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'मध्यप्रदेश संदेश' के प्रथम अंग्रेजी संस्करण का विमोचन किया।
निवेश के साथ रोजगार के द्वार- इस एकदिवसीय आयोजन में खनिज, पर्यटन, नवकरणीय उर्जा, पेट्रोल केमिकल्स, प्लास्टिक, खाद्य प्रसंस्करण, डेरी और फर्नीचर निर्माण, टेक्सटाइल, आईटी, डेटा सेंटर के क्षेत्र में निवेश के प्रस्ताव आए। सम्मेलन में उद्योगपतियों ने बुंदेलखंड क्षेत्र में 19000 करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव सामने रखे। इनके फलीभूत होने पर करीब 30000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

ये निवेश प्रस्ताव आए

शुभारंभ सत्र में देश के प्रमुख उद्योगपतियों से ये प्रमुख निवेश प्रस्ताव आए।
● बंसल ग्रुप बुंदेलखंड क्षेत्र में 1350 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। वह चार सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, एक फाइव-स्टार होटल और सोलर प्लांट लगाएगा।
● गीताजलि ग्रुप के चेयरमैन जेपी अग्रवाल ने निवाड़ी में 3200 करोड़ रुपये के निवेश से इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट लगाने की घोषणा की। इससे लगभग 10000 लोगों को रोजगार मिलेगा।
● मध्य भारत एग्री कंपनी बंडा में 500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के मालिक पंकज ओसवाल ने यह घोषणा की।
● सागर ग्रुप के चेयरमैन सुधीर अग्रवाल ने अगले 4 सालों में 1300 से 1400 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट स्पिनिंग, प्रोसेसिंग और सोलर प्लांट्स में करने की घोषणा की।



अलविदा मेरे प्यारे ट्राम!

1873 में घोड़ागाड़ी के रूप में हुई थी शुरुआत,बंद करनेकाविरोधभी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार के परिवहन मंत्री खेहाशीष चक्रवर्ती ने घोषणा की है कि कोलकाता की प्रतिष्ठित ट्राम जल्द ही बंद कर दी जाएगी। हालांकि उन्होंने मैदान से एस्पलेनेड तक एकमात्र विरासत रूट को जारी रखने का फैसला किया है। कोलकाता भारत का एकमात्र ऐसा शहर है जहां ट्राम सेवा अभी तक चल रही है। हाल ही में इसने अपनी 150वीं वर्षगांठ मनाई है। इससे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और कई ट्राम प्रेमियों ने इस फैसले का विरोध



खत्म होने वाली है कोलकाता की 150 साल पुरानी धरोहर

करने का फैसला किया है। चक्रवर्ती ने कहा कि धीमी गति से चलने वाली ट्राम असुविधाजनक है क्योंकि यात्रियों को परिवहन के तेज साधनों की जरूरत होती है। कहा जाता है कि ट्राम जब पहली बार कोलकाता में शुरू की गई थी, तब आने-जाने का सबसे लोकप्रिय साधन थी।
ब्रिटिश राजधानी कलकत्ता में 1873 में शुरू की गई पहली ट्राम घोड़ों से खींची जाती थी। वे सियालदाह और अर्मेनियाई घाट स्ट्रीट के बीच 3.8 किमी के रास्ते पर चलती थीं। हालांकि, आर्थिक मुद्दों के कारण उन्हें एक साल के भीतर ही बंद कर दिया गया।

जमानत की शर्तों को जेल में रखने का टूल ना बनाएं

सुप्रीम कोर्ट की ईडी पर सख्त टिप्पणी,जमकर सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जमानत देने की सख्त शर्तों को लागू करके किसी को लंबे समय तक जेल में रखना उचित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीएमएलए, यूएपीए और एनडीपीएस ऐक्ट के मामलों में जल्द से जल्द निपटारा करने की जरूरत है।

सुनवाई में देरी और जमानत देने में सख्त नियमों को लागू करके आरोपी को जेल में ही कैद रखना ठीक नहीं है। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी की जमानत

याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस अभय एस ओंका और ऑगस्टीन जॉर्ज की बेंच ने कहा कि कार्यपालिका को भी उन कानूनों पर ध्यान देना चाहिए जिनमें आरोपी पर ही खुद को निर्दोष साबित करने की जिम्मेदारी होती है।

कोर्ट ने कहा कि यह मामला 2022-2016 के दौरान का है जब सेंथिल बालाजी परिवहन मंत्री हुआ करते थे। व 15 महीने से जेल में हैं और फिलहाल निकट भविष्य में इस मामले का हल निकलता दिखाई नहीं



दे रहा है। ऐसे में उन्हें जमानत दी जा रही है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में 2 हजार आरोपी और 500 गवाह हैं।

ऐसे में मामले की सुनवाई और फैसले में ज्यादा वक़्त लगने की संभावना है। कोर्ट ने कहा कि अब तक के साक्ष्यों को देखें तो सेंथिल बालाजी के खिलाफ ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे पता चले कि उनके बैंक अकाउंट में 1.34 करोड़ रुपये जमा किए गए। यह भी नहीं कहा जा सकता कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई केस नहीं बनता। वहीं ईडी को जमानत के सख्त प्रावधान धारा 45 (1) को इस्तेमाल करने

की अनुमति भी नहीं दी जा सकती क्योंकि आरोपी लंबे समय से हिरासत में हैं। वहीं बेंच ने कहा कि बालाजी को हर सोमवार और शुक्रवार को ईडी के पास हाजिरी देनी होगी। वहीं मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुनवाई के दौरान उन्हें कोर्ट में भी हाजिर रहना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मंत्री रहते हुए बालाजी पर आरोप लगे थे। वहीं न्याय व्यवस्था में जमानत एक नियम है और जेल अपवाद है। ऐसे में जमानत के सख्त नियमों को किसी को जेल में डाले रखने का हथियार नहीं बनाया जा सकता है।

सीआरपीसी और बीएनएस में उलझी लोकायुक्त पुलिस

- कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ दर्ज नहीं हो पाया केस

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकायुक्त पुलिस मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कानूनी स्पष्टीकरण मांग रही है। यह जानकारी सूत्रों ने बुधस्पर्तिवार को दी। कर्नाटक की एक विशेष अदालत ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ बुधवार को लोकायुक्त पुलिस से जांच कराने का आदेश दिया। इसके साथ ही उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया। विशेष अदालत के

न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट के इस आदेश से एक दिन पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस मामले में सिद्धारमैया के खिलाफ जांच कराने की राज्यपाल थावरचंद गहलोट की मंजूरी को बरकरार रखा था। इस मामले में एमयूडीए द्वारा सिद्धारमैया की पत्नी बी एम पार्वती को 14 भूखंड आवंटित करने में अनियमितताएं बरतने का आरोप है। लोकायुक्त पुलिस के एक सूत्र ने बताया, ‘‘ हमने अभी तक मामला दर्ज नहीं किया है। कुछ कानूनी स्पष्टीकरण मांगे जा रहे हैं, क्योंकि विशेष अदालत ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत आदेश पारित किया है, जबकि उसे शायद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत प्रक्रिया का पालन करते हुए आदेश पारित करना चाहिए था।

बेंगलुरु की कॉलोनी को ‘पाकिस्तान’ कहना पड़ रहा भारी

- कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस की बड़ी मुश्किलें,ट्रांसफर पर भी विचार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की एक कॉलोनी को एक केस की सुनवाई के दौरान पाकिस्तान कहकर संबोधित करने वाले कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस वी श्रीशानंद की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। खबर है कि उनके ट्रांसफर पर भी चीफ जस्टिस की अगुवाई वाले सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने विचार किया है। उन्हें कर्नाटक हाईकोर्ट के बाहर किसी और उच्च न्यायालय में भेजने पर विचार चल रहा है। यह विचार सुप्रीम कोर्ट के उत टॉप 5 जजों की बेंच कर रही है, जिसने उनकी टिप्पणी पर स्वतः संज्ञान लेते

हुए सुनवाई की थी और माफी मांग लेने के बाद मामले को बद कर दिया गया। चीफ जस्टिस समेत सभी 5 जज कॉलेजियम का भी हिस्सा हैं। इन जजों में चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ऋषिकेश रॉय शामिल हैं। इन जजों की बेंच ने 20 सितंबर को इस मामले पर विचार किया था और फिर अंत में 25 सितंबर को मामला समाप्त कर दिया गया। अब खबर है कि जस्टिस वी. श्रीशानंद के ट्रांसफर पर भी कॉलेजियम ने विचार चल रहा है। कर्नाटक हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की 23 सितंबर की रिपोर्ट में जस्टिस श्रीशानंद की कई गैर-वाजिब टिप्पणियों का जिक्र किया गया है। अब इस पर 5 जजों की कॉलेजियम विचार कर रही है कि क्यों न उनका ट्रांसफर कर दिया जाए। जस्टिस श्रीशानंद को लेकर इसलिए भी कॉलेजियम सख्त है क्योंकि उन्होंने इससे पहले भी कई विवादित टिप्पणियां की थीं।

कांग्रेस में डीलर-दलाल और दामाद की उडी काम करती थी

शाह बोले-हरियाणा में हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देंगे

गृहमंत्री शाह बोले-लोग गोहाना और मिर्चपुर कांड नहीं भूले हैं

रेवाड़ी (एजेंसी)। हरियाणा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को रेवाड़ी के बाद अंबाला में रैली की। अंबाला में शाह ने कहा- हरियाणा में जब कांग्रेस सरकार थी तो उडी काम करती थी। जिसमें डीलर-दलाल और दिल्ली में बैठा दामाद शामिल है। शाह ने कहा कि कांग्रेस दलितों पर अत्याचार करती है। लोग अभी गोहाना और मिर्चपुर कांड भूले नहीं हैं। शाह ने कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा के बहाने पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा को घेरा। शाह ने कहा कि हुड्डा की मानसिकता है कि दलित बहन सैलजा को प्रचार के लिए बुलाया तो वे हार जाएंगे। शाह ने इससे पहले रेवाड़ी रैली में कहा- सेना में भर्ती होने वाले हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देंगे। कांग्रेस वाले सेना का सम्मान नहीं करते। कांग्रेस ने सेनाध्यक्ष को गुंडा कहा था। शाह ने कहा- हरियाणा में कांग्रेस सरकार में डीलर-दलाल नियुक्त पत्र देते थे, लेकिन बीजेपी में

डाकिया देकर आता है। भाजपा सरकार ने डीलर-दामाद का नामनिर्वाचन मिटा दिया। शाह ने राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह कांग्रेस शासित राज्यों में एमएसपी लागू करके दिखाएं। शाह ने दोहराया कि हरियाणा में कांग्रेस की रैली में पाकिस्तान के नारे लगे। शाह बोले कि राहुल गांधी आरक्षण खत्म करना चाहते हैं, लेकिन जब तक भाजपा सरकार है, आरक्षण खत्म नहीं करने देंगे। शाह ने राहुल गांधी को कश्मीर में धारा 370 दोबारा लागू करने का भी चैलेंज दिया। अंबाला के बाद वे कुरुक्षेत्र के लाडवा में रैलियां करेंगे। 4 दिन पहले भी अमित शाह हरियाणा में प्रचार करने पहुंचे थे। उन्होंने फतेहबाद के टोहना और यमुनानगर के जगाधरी में रैली की थी। शाह ने कहा- हरियाणा के दलित भाई गोहाना कांड और मिर्चपुर कांड अभी तक नहीं भूले। कांग्रेस के शासन काल में दलितों का हमेशा ही शोषण हुआ है।

अग्निवीरों को नौकरी में 15 फीसदी आरक्षण देगी ब्रह्मोस

फैसला लेने वाली देश की पहली कंपनी बनी,वजह भी बताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस के संयुक्त वेंचर ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड ने फैसला लिया है कि वह अपनी कंपनी में कम से कम 15 फीसदी तकनीकी पदों को अग्निवीरों के लिए आरक्षित करेंगे। सरकार की तरफ से कई संगठनों में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की बात की गई है लेकिन किसी प्राइवेट कंपनी की तरफ से पहली बार ऐसा फैसला लिया गया है। कंपनी की तरफ से बताया गया कि तकनीकी पदों के अलावा प्राशसनिक और सुरक्षा की जरूरत के हिसाब से भी अग्निवीरों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। फर्स्ट पोस्ट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक

दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक मिसाइल बनाने वाली यह कंपनी अग्निवीरों के लिए अपने सामान्य कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम से अलग हटकर काम करते हुए उन्हें आउटसोर्सिंग संगठनों को भी अग्निवीरों को अपने यहां काम पर रखने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। भारत सरकार द्वारा सेना में भर्ती के लिए सामान्य प्रक्रिया को हटाकर 2022 से अग्निवीर योजना को शुरू किया गया था, जिसमें भर्ती होने वाले

युवा को चार साल की अवधि के लिए सेना में अपनी सेवाएं देते हैं इस दौरान वह सैन्य रणनीतियों के अलावा तकनीकी दक्षता भी प्राप्त करते हैं। कंपनी के सीईओ ने पोस्ट से बात करते हुए बताया कि अग्निवीर जब सेना में शामिल होते हैं तो उन्हें एक बेहतर प्रशिक्षण प्रक्रिया से गुजरना होता है जो उन्हें मजबूत बनाता है। जब हम उन्हें अपने यहां काम पर रखेंगे तो हमें उनकी ट्रेनिंग के लिए अलग से खर्च नहीं करना होगा। इससे हमारी कंपनी के अंदर एक बहुत प्रशिक्षित वर्क फोर्स होगी, जिससे कंपनी को ही फायदा होगा।

कंपनी के डिप्टी सीईओ के मुताबिक भारतीय रक्षा



उद्योग में काम करने वाली 250 से अधिक टीम ब्रह्मोस का हिस्सा है। हमने सभी से बात की है। भारतीय रक्षा उद्योग अग्निवीरों के पहले बैच का इंतजार कर रहा है कि कब हम उन्हें अपने साथ अपनी टीम में शामिल कर पाएं। उन्होंने कहा कि हम इसका और ज्यादा विस्तार करना चाहते हैं। हमने अपने सभी विक्रेताओं से भी अनुरोध कर रहे हैं

और इसके साथ ही हम अपने साथी संगठनों से भी बात कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि सभी अपने संगठनों में कम से कम 15 प्रतिशत नौकरियां अग्निवीरों के लिए आरक्षित रखें।

यूएस में बार-बार हिंदू मंदिरों पर हमले से भड़का भारत

- अमरीकी अधिकारियों के सामने उठाया मामला,जताया विरोध

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में कैलीफोर्निया के सैक्रामेंटो में हिंदू मंदिर में हुई तोड़फोड़ पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। खबर है कि इस संबंध में अमेरिकी अधिकारियों से भी संपर्क साधा गया है। मंदिर में अज्ञात बदमाशों ने नफरत फैलाने के मकसद से बीएपीएस मंदिर में तोड़फोड़ की और उसकी दीवारों पर 'हिंदुओं वापस जाओ' के नारे लिख दिए थे। कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया के फ्रांसिस्को में कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया 24 सितंबर की रात सैक्रामेंटो के स्वामिनारायण मंदिर में हुई तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करता है। एजेंसी ने इस मामले को स्थानीय अधिकारियों के सामने उठाया है, ताकि इस मामले पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारी इस तोड़फोड़ की घटना की जांच कर रहे हैं।

कई अफेयर, लालच और शादी का प्रपोजल बन गया ‘काल’

बेंगलुरु की महालक्ष्मी हत्याकांड में लगातार खुल रहे बड़े राज

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में महालक्ष्मी हत्याकांड को लेकर लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पति की कहानी सुनने के बाद पहल अशरफ नाम के शख्स पर शक की सुई घूमी थी। हालांकि बाद में नृशंस हत्या को एक-एक कड़ियां खुलती चली गईं और पुलिस के जाल में मुख्य आरोपी मुक्ति रंजन रॉय फंस गया। महालक्ष्मी का शव करीब 18 दिन तक फ्रिज में पड़ा रहा। आरोपी ने धारदार हथियार से शव के 59 टुकड़े कर डाले थे। जानकारी के मुताबिक महालक्ष्मी और मुक्ति रंजन करीब 6 महीने से रिलेशनशिप में थे। हालांकि उनके बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा था। महालक्ष्मी पहले से ही शादीशुदा थी और अपने पति को

छोड़कर अलग रहने लगी थी। मुक्ति और महालक्ष्मी के बीच भी अक्सर झगड़ा और मारपीट होती रहती थी। महालक्ष्मी व्यालिकवल इलाके में एक रूम के फ्लैट में रहती थीं। उनके झगड़े की बात किसी से छिपी नहीं थी। कई बार घर से निकलकर बाहर तक झमा हो चुका था। माल्लेश्वरम पुलिस थाने में उनके झगड़े को लेकर शिकायत भी दर्ज करवाई गई थी। एक अधिकारी ने कहा कि कई बार उनके झगड़े को सुलझाने की भी कोशिश की गई। 3 सितंबर की रात मुक्ति रंजन महालक्ष्मी के फ्लैट पर पहुंचा। महालक्ष्मी ने उससे शादी को लेकर कुछ कहा। इसके बाद ही एक बार फिर बहस शुरू हो गई। महालक्ष्मी की शादी हेमंत दास से हुई थी और उसकी एक बेटी भी है।

एनसीपी नेता की पत्नी ने कलाम से की ओसामा लादेन की तुलना

- कहा-ओसामा बिन लादेन की भी बायोग्राफी पढ़ें,महाराष्ट्र में बवाल

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी (शरद पवार) नेता जितेंद्र आह्लाड की पत्नी ने स्कूल के एक कार्यक्रम के दौरान भाषण में ओसामा बिन लादेन और पूर्व राष्ट्रपति मिसाइलमैन पीएन जी अब्दुल कलाम की तुलना कर दी। उन्होंने कहा कि ओसामा बिन लादेन की बायोग्राफी भी सबको पढ़नी चाहिए। वह जन्म से ही आतंकी नहीं था बल्कि परिस्थितियों ने उसे आतंकवादी बना दिया।

श्रुती आह्लाड के इस बयान के बाद बीजेपी ने उन पर तीखा हमला किया है। बीजेपी नेता शहजाद पनावाला ने कहा कि जितेंद्र आह्लाड की पत्नी खुले मंच से बच्चों से आतंकी ओसामा की बायोग्राफी पढ़ने को कह रही हैं। इंडिया गटबन्धन के नेताओं की आदत में ही आतंकियों को डिफेंड करना है। उन्होंने कहा कि जितेंद्र अह्लाड ने भी इशारत जहां का समर्थन किया था। कांग्रेस और एसीपी शरद पवार पार्टी के नेता लगातार यूक्रेन, अफगान और कसाब के समर्थन में बयान देते रहते हैं। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि इंडिया गटबन्धन तुष्टीकरण की राजनीति करता है।

मध्यप्रदेश बिजली सेक्टर की महत्वपूर्ण जानकारी से परिपूर्ण प्रमुख विद्युत समंक- 2024 विमोचित

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के विद्युत सेक्टर की जानकारीयों एवं नवीनतम आंकड़ों से परिपूर्ण प्रमुख विद्युत समंक- 2024 का अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल में विमोचन किया। इस अवसर पर सचिव वित्त श्री लोकेश कुमार जाटव सहित वरिष्ठ अभियंता उपस्थित थे। विद्युत उत्पादन, उपलब्धता, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन के नवीनतम आंकड़ों से समालिित बारह पृष्ठीय प्रमुख विद्युत समंक- 2024 का प्रकाशन एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के स्टेट प्लानिंग सेल ने किया है। पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन और प्रशासन राजीव गुप्ता ने प्रमुख विद्युत समंक को विमोचन के लिए प्रस्तुत किया।

प्रमुख विद्युत समंक- 2024 पुस्तिका में राज्य विद्युत क्षेत्र में वर्ष 2023-24 में अर्जित की गई प्रमुख उपलब्धियों के आंकड़ों को शामिल किया गया है। इस पुस्तिका में वित्तीय वर्ष 2023-24 और वित्तीय वर्ष 2022-23 के आंकड़ों के तुलनात्मक विश्लेषण को समाहित किया गया है।

समंक में मध्यप्रदेश के विद्युत उत्पादन, उपलब्धता, ट्रांसमिशन व डिस्ट्रीब्यूशन क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों के आंकड़ों को टेबल, चार्ट, ग्राफ एवं नक्शे के द्वारा रोचक व आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। समंक में प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में हुई वृद्धि, प्रदाय की गई बिजली, शीर्ष मांग, उपभोक्ताओं की संख्या, विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं द्वारा उपभोग की गई बिजली, ट्रांसमिशन व डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के विकास, प्रति व्यक्ति बिजली खपत इत्यादि आंकड़ों को प्रदर्शित किया गया है। समंक में प्रदेश की तीनों विद्युत वितरण कंपनियों पूर्व क्षेत्र, मध्य क्षेत्र व पश्चिम क्षेत्र द्वारा किए गए कार्यों व अर्जित उपलब्धियों को कंपनीवार दर्शाया गया है।

मासूम से रेप और हत्या करने वाला कोर्ट में पेश

आरोपी के कपड़े जल, पुलिस से बोला-बच्ची को अकेला देख नीयत खराब हो गई

भोपाल (नप्र)। मासूम से ज्वादाती के बाद हत्या का आरोपी अतुल भालसे को शुक्रवार दोपहर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। गिरफ्तारी से पहले पुलिस से भागने की कोशिश में आरोपी गिर गया था। उसके एक पांव में गंभीर चोट लगी है। पुलिस ने आरोपी के फ्लैट की एक बार फिर सचििंग की है। जहां से घटना के समय उसके द्वारा पहना हुआ लोअर सहित अंडर गार्मेंट्स और एक शर्ट जब्त की गई है।



आरोपी ने पुलिस को पृष्ठताल में बताया कि फागिंग के कारण लोगों ने अपने फ्लैट के गेट बंद कर लिए थे। आम तौर पर मल्टी में भीड़भाड़ रहती है। मंगलवार की दोपहर बच्ची धुएँ के कारण बरामदे में अकेली दिखी। यह मौका देख उसकी नीयत खराब हो गई। उसने बच्ची को फ्लैट में खींच लिया। इस समय उसकी माँ और बहन दोनों काम पर गई थीं। यहाँ उसने बच्ची के साथ ज्वादाती की। मासूम की तबीयत बिगड़ी तो इससे वह घबरा गया, पहले उसका मुंह दबाया और बाद में गला घोट दिया।

मां के लौटते ही बोला था-बच्ची मार दी

मंगलवार की दोपहर को आरोपी की मां जब काम से लौटी तब उसने पूरा घटनाक्रम मां को बता दिया था। मां ने बहन के आने पर उसे भी मामले की जानकारी दी। बाँडी को ठिकाने लगा पाता इससे पहले ही मल्टी में बच्ची को तलाश करना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में पुलिस भी आ गई। इससे उसे शव को ठिकाने लगाने का मौका नहीं मिला।

पानी की टंकी में रखा था शव

मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात शव को कपड़े में बांधकर पानी की टंकी में रख दिया। ऐसा करने की बात उसकी मां ने ही कही थी। बाद में पानी की टंकी सहित बाँडी ठिकाने लगाने का प्लान था। लेकिन पुलिस मौके से हटी ही नहीं। मल्टी के चारों ओर पुलिस बल तैनात रहा।

मानव तस्करी के एंगल पर भी जांच- पुलिस का कहना है कि आरोपी की मां बसंती भालसे द्वारा पूर्व में एक बच्चे को अगवा किए जाने की जानकारी मिली है। हालाँकि मामला काफी पुराना है। पुलिस इस मामले में उनसे मानव तस्करी के संबंध में भी पृष्ठताल कर रही है। मल्टी में आस पास रहने वालों ने बसंती और उसकी बेटी चंचला का आचरण संदिग्ध बताया है। उनके घर अंजान लोगों का भी आना जाना था। पुलिस को इस बात का भी संदेह है कि आरोपी किसी सेक्स रैकेट से भी जुड़े है।

सेंट्रल बैंक 1.5 करोड़ लोन फ्रॉड में ईडी करेगी जांच

भोपाल में असिस्टेंट बैंक मैनेजर के पास मिली थी 400 गुना संपत्ति, कोर्ट ने सुनाई थी सजा

भोपाल (नप्र)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भोपाल में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की अरेरा हिल्स ब्रांच के निलंबित चल रहे असिस्टेंट मैनेजर बसंत पावसे पर प्रिविशल एंड मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

आरोपी ने पद का दुरुपयोग करते हुए 1 करोड़ 58 लाख रुपए अवैध तरीके से जुटाए हैं। ईडी के भोपाल जोनल ऑफिस ने प्रोसियूशन कम्प्लेंट स्पेशल कोर्ट में 24 सितंबर को फाइल की थी। इसका स्पेशल कोर्ट ने सज़ान ले लिया है। अब 14 साल पुराने मामले में ईडी जांच करेगी।

चेक, जमा पर्चियों पर फर्जी दस्तखत कर जुटाए रुपए

ईडी की जांच में पता चला कि वसंत पावसे ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, अरेरा हिल्स, भोपाल में सहायक प्रबंधक के रूप में पद का दुरुपयोग किया था। उन्होंने 1.58 करोड़ रुपए की संपत्ति फर्जीबाइ कर अर्जित की है। जांच में पता चला कि असिस्टेंट मैनेजर पावसे पार्टियों को लोन मंजूर करने के लिए नकदी स्थित भी लेते थे।

आवेदन पत्रों और जमा पर्चियों के साथ चेक पर फर्जी दस्तखत कर धोखाधड़ी की। अपने और पत्नी, बेटे के नाम पर तीन खाते खोले। इन खातों में जमा पैसों से प्रॉपर्टी, बीमा पॉलिसी, शेयर, म्यूचुअल फंड और ज्वेलरी खरीदे। अब तक की पड़ताल में ईडी को 1 करोड़ 58 लाख की अवैध आय की जानकारी मिली है।

स्वास्थ्य सेवाओं को नवजातों और गर्भवती महिलाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना सरकार का लक्ष्य : उप मुख्यमंत्री

एसएनसीयू की टीम के प्रयास से नवजातों को मिल रहा नया जीवन



2 लाख से अधिक बच्चों का विगत डेढ़ वर्ष में किया गया उपचार

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि एसएनसीयू की समर्पित टीम, नर्सिंग स्टाफ की कड़ी मेहनत और अथक प्रयासों से हम कई नवजातों की जान बचाने में सफल हो रहे हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि स्वास्थ्य सेवाओं को नवजातों और गर्भवती महिलाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। एसएनसीयू हमारे इस संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभा रही है। सरकार की कोशिश है कि शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर को कम करते हुए राज्य को स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी बनाया जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एसएनसीयू की सेवाओं

से प्राप्त परिणामों पर आशा व्यक्त की है कि वे इसी समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम करते रहेंगे। एसएनसीयू की ये सफल कहानियाँ सरकार की समर्पित नीति और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम हैं। इन प्रयासों से राज्य के स्वास्थ्य मानकों में निरंतर सुधार हो रहा है, जो स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है।

राज्य में 62 एसएनसीयू हैं संचालित- एसएनसीयू (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) मध्यप्रदेश में गंभीर नवजात शिशुओं की विशेष देखभाल में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अत्याधुनिक सुविधाओं और समर्पित चिकित्सकीय टीम की बदौलत, यहां नवजातों को जीवनरक्षक देखभाल दी जा रही है, जो राज्य के स्वास्थ्य ढाँचे

को और मजबूत बना रही है। वर्तमान में राज्य में 62 एसएनसीयू संचालित हैं, जिनमें 1 हजार 654 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध है। 2023-24 में 1 लाख 31 हजार 130 नवजातों का सफलतापूर्वक उपचार किया गया, जबकि 2024-25 में (अप्रैल से 31 अगस्त तक) 56 हजार 558 नवजातों का इलाज हुआ। राज्य सरकार ने नवजात देखभाल सेवाओं को उप-जिला स्तर तक बढ़ाते हुए 199 हस्तक्ष (न्यूबॉर्न स्ट्रेबलाइजेशन यूनिट्स) भी स्थापित की हैं, जिनमें 796 बिस्तर उपलब्ध हैं। वर्ष 2023-24 में 38 हजार 392 नवजात शिशुओं का उपचार किया गया, जबकि 2024-25 (अप्रैल से 31 अगस्त 2024 तक) कुल 14 हजार 858 नवजातों का इलाज किया गया है।

4 साल बाद म.प्र. में होगी पशुओं की गिनती

अक्टूबर-नवंबर से शुरुआत, 3 महीने चलेगी; पिछली गणना में 6 करोड़ थी गिनती

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में 4 साल बाद एक बार फिर पशुओं की गिनती होगी। अक्टूबर या नवंबर महीने में गिनती शुरू हो जाएगी, जो अगले 3 महीने तक चलेगी। साल 2019 में हुई गिनती में करीब 6 करोड़ पशु मिले थे। जिन पशुओं की गिनती होगी, उनमें गाय, भैंस, कुत्ते, ऊँट, घोड़े, गधे, बकरा-बकरी, मुर्गा-मुर्गी आदि शामिल हैं। खास बात ये है कि अबकी बार हर पशु का डाटा ऑनलाइन होगा। टेब के जरिए डाटा कलेक्शन किया जाएगा। 2019 में 20वीं गिनती हुई थी, जबकि यह 21वीं गिनती है। इस काम में पूरे प्रेश में साढ़े 6 हजार संगणक और सुपरवाइजरों की इट्टी लगेंगी, जो सभी

55 जिलों में 1 करोड़ 80 लाख परिवारों के घर-घर जाकर गिनती करेंगे। इस बार की गिनती में वे आंकड़ों को सीधे अपने टेब के जरिए 'पशु गणना सॉफ्टवेयर' में फीड करेंगे। जिसमें पशुओं की नस्लों के बारे में भी लिखा जाएगा।

फोटो स्कैन करते ही पशुओं की गिनती की जानकारी मिलेगी- जब संगणक पशुओं का फोटो स्कैन करेंगे, तब सॉफ्टवेयर के जरिए पशुओं की नस्ल की जानकारी मिल जाएगी। इससे पशुओं की नस्ल के बारे में भी पता चल जाएगा।

पशुओं की संख्या दोगुनी होने का अनुमान- 2019 में हुई गिनती में सभी प्रकार के पशुओं की संख्या करीब 6 करोड़ सामने आई थी। अबकी बार यह संख्या दोगुनी भी हो सकती है। इसकी मुख्य वजह लोगों का पशुपालन की ओर रुझान बढ़ना है।

बच्चियों से रेप के विरोध में ‘आप’कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस कमिश्नर ऑफिस में दिया ज्ञापन

भोपाल (नप्र)। राजधानी सहित मप्र में नाबालिग बच्चियों से रेप की घटनाओं के विरोध में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर प्रदर्शन किया। वहीं कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पुलिस

अल्पसंख्यक विंग के प्रदेश अध्यक्ष मिन्हाज आलम, सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आप के शहर अध्यक्ष हरीश पाठक ने कहा कि प्रदेश में बढ़ रहे अपराध को अगर रोकने में प्रदेश सरकार असफल



कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन दिया।

सरकार से नहीं संभल रही कानून व्यवस्था- भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर मध्य प्रदेश में महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचार एवं अपराधों के विरोध में आम आदमी पार्टी की भोपाल इकाई के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। भोपाल शहर अध्यक्ष हरीश पाठक के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री सज्जन सिंह परमार, प्रदेश सचिव रईसा मलिक,

हो रही है तो जिम्मेदारों को इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रदेश में दिनों दिन महिलाओं पर अपराध बढ़ रहे हैं। आम आदमी पार्टी की प्रदेश सचिव रईसा मलिक ने कहा कि महिलाओं तथा बच्चों के साथ ऐसे अत्याचार हुए हैं जो इंसानियत को शर्मसार करने वाले हैं। इन घटनाओं के आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दी जाए। कानून व्यवस्था को सख्त से सख्त किया जाए ताकि इस तरह की हो रही घटनाओं पर अंकुश लग सके।

स्कूलों के प्रबंधन ने पुलिस को नहीं दी घटना की जानकारी

एक और घटना का जिक्र करते हुए बताया कि राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स स्थित निजी स्कूल में कैमिस्ट्री के टीचर द्वारा दसवीं कक्षा की छात्रा को साथ यौन शोषण की घटना को अंजाम दिया गया। इन घटनाओं से बच्चों के अभिभावकों में भय और आक्रोश के साथ-साथ असुरक्षा की भावना व्याप्त हो रही है। इस घटना में आरोपी द्वारा किये गये कृत्य के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन भी बच्चों को सुरक्षा देने में असमर्थ है। ऐसी घटना के संबंध में स्कूल प्रबंधन द्वारा स्वविवेक से पुलिस को सूचित नहीं किया गया। इन घटनाओं के संबंध में दोनों निजी स्कूलों के खिलाफ सज़ान लेकर लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 19/21 के तहत वैधानिक कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

5 महीने में तैयार होगा बैरागढ़ में बना फ्लाईओवर थर्ड लेग से जुड़ेगा स्टेशन, जल्द काम शुरू होगा; 8 करोड़ खर्च होंगे



भोपाल (नप्र)। भोपाल के बैरागढ़ (संत हिरदयाम नगर) में 27 करोड़ रुपए से बन रहा फ्लाईओवर ब्रिज 5 महीने में तैयार होगा। इसके बाद करीब 5 लाख आबादी को फायदा होगा। इसके साथ थर्ड लेग से रेलवे स्टेशन जुड़ेगा और यह काम भी जल्द शुरू होगा। इस थर्ड लेग पर करीब 8 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

शुक्रवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने संत हिरदयाम नगर के फाटक रोड पर बन रहे फ्लाईओवर ब्रिज के निर्माण और संत हिरदयाम नगर रेलवे स्टेशन के नवनिर्माण कार्य का निरीक्षण किया। रेलवे, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम के अफसर भी मौजूद थे।

रेलवे क्षेत्र में रुका काम शुरू- विधायक

शर्मा ने बताया, पीडब्ल्यूडी के कार्यक्षेत्र का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। बारिश में रूके रेलवे क्षेत्र का कार्य फिर एक बार तेजी से शुरू किया गया है। संबंधित रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि फरवरी 2025 तक कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। विधायक शर्मा ने कहा, आर्मी, रेलवे एवं राजस्व के आपसी समन्वय के साथ इस ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है।

थर्ड लेग का काम भी शुरू- विधायक शर्मा ने बताया, पहले इस फ्लाईओवर को इंदौर रोड से कैलाश नगर आदि क्षेत्र को जोड़ा जा रहा था। अब इसे कैलाश नगर से स्टेशन तक थर्ड लेग के माध्यम से भी जोड़ा जाएगा। इसके निर्माण में लगभग 8 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

निर्माण से स्टेशन पहुंचने की सुगमता होगी।

हर 15 दिन में प्रोग्रेस रिपोर्ट देखेंगे विधायक- विधायक ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अब हर 15 दिन में फ्लाईओवर की प्रोग्रेस रिपोर्ट का अवलोकन करेंगे। अब काम में तेजी आनी चाहिए। ताकि, आम लोगों को फायदा मिल सके।

5 लाख आबादी को मिलेगा फायदा- यह फ्लाई ओवरब्रिज 27 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा है। इससे लगभग 5 लाख आबादी को फायदा मिलेगा। संत नगर की ओर उतरने वाला फ्लाईओवर 7.50 मीटर चौड़ा एवं 300 मीटर लंबा होगा। सर्विस रोड के साथ लगभग 10 करोड़ की अतिरिक्त राशि इसमें खर्च होगी

भोपाल-इंदौर समेत कई जिलों में तेज बारिश

एमपी में सिस्टम फिर एक्टिव; मंदसौर में मंडी में रखी फसल भीगी



भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में एक बार फिर बारिश का सिस्टम एक्टिव हुआ है। शुक्रवार को राजधानी भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, गुना, मंदसौर, बड़वानी, टीकमगढ़, कटनी और खालियर समेत कई जिलों में तेज पानी गिरा। भोपाल में शाम होते ही झमाझम बारिश शुरू हो गई थी जो देर रात तक जारी थी।

मंदसौर में बारिश से मंडी में खुले में रखी किसानों की सोयाबीन की फसल खराब हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के मालवा-निमाड़ (इंदौर-उज्जैन संभाग) में अगले 2 दिन तेज बारिश होगी। जबलपुर-खालियर संभाग भी भीगेगा। इसके पहले सासाह में मानसून की विदाई भी हो सकती है। मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया, सायसर और मानसून ट्रफ की एक्टिविटी की वजह से बारिश हो रही है। ऐसा मौसम अगले 2 दिन और बना रहेगा। फिर सिस्टम कमजोर हो जाएगा। एमपी में अब तक एक्वेज 42.6 इंच बारिश हो चुकी है। मंडला में सबसे ज्यादा 59.5 इंच पानी गिरा।

19 जिलों में बारिश, खंडवा में पोने 2 इंच पानी

प्रदेश में गुरुवार को बारिश का दौर जारी रहा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत प्रदेश के 19 जिलों में बारिश हुई। खंडवा में सबसे ज्यादा 45 मिमी यानी, पौने 2 इंच पानी गिरा। भोपाल, इंदौर, नरसिंहपुर, नागव, सतना, बालाघाट, राजगढ़, बड़वानी में भी बारिश का दौर जारी रहा। रात में भी कई जिलों में बारिश का दौर चला।

संपादकीय

भारत के पक्ष में फ़्रांस की पैरवी

संयुक्त राष्ट्र संघ (संरास) की सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत के पक्ष में फ्रांसिसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रो की पैरवी काफी मायने रखती है। संरास की आम सभा में मैक्रो ने भारत की दानेदारी का खुलकर समर्थन करते हुए कहा कि भारत,जापान,जर्मनी और ब्राजील को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाना चाहिए। इसके साथ ही अफ्रीका की ओर से नामित अफ्रीकी महाद्वीप के दो देशों को भी इसका सदस्य बनाया जाए। मैक्रो ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की आम सभा की 79वीं बैठक को संबोधित करते हुए सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग की। मैक्रो ने कहा कि जब तक सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य अपने हितों को लेकर एक-दूसरे को (प्रस्तावों को) रोकते रहेंगे तब तक आगे बढ़ना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि 'क्या वहां (संरास) एक अच्छी व्यवस्था काम कर रही है? मुझे ऐसा नहीं लगता। इसलिए आइए संयुक्त राष्ट्र को उभारी बनाया जाए। लेकिन इसके लिए और अधिक सदस्य बनाए जाने चाहिए। इसलिए फ्रांस सुरक्षा परिषद के विस्तार का समर्थन करता है।' दरअसल सुरक्षा परिषद के अभी केवल पांच स्थायी सदस्य हैं। ये हैं अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन। यह व्यवस्था द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनाई गई थी। बाद में इसमें कम्युनिस्ट चीन को भी जोड़ा गया। उसमें भी अमेरिका की अहम भूमिका थी। संरास की स्थापना हुए 80 साल हो चुके हैं, लेकिन सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यों की संख्या जस की तस है, जबकि विश्व में भू राजनीतिक संतुलन काफी बदल चुका है। साथ ही स्थायी सदस्यों की संख्या वर्तमान विश्व की राजनीतिक आर्थिक जरूरतों को पूरा नहीं करती। सुरक्षा परिषद में केवल यूरोप और एशिया का आंशिक प्रतिनिधित्व है, जबकि स्थायी सदस्य के रूप में लगभग सभी महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। दुनिया में करीब 200 देश हैं और आर्थिक सैनिक संतुलन भी बदला हुआ है। जहां तक भारत की बात है तो दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाला देश सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं है, यही अपने आप में विचारणीय है। भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और चौथी सबसे बड़ी सैनिक शक्ति है। लेकिन संरास के कुछ देश जिनमें चीन, पाकिस्तान खासकर शामिल हैं, नहीं चाहते कि भारत सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनकर और ताकतवर हो। यही कारण है कि भारत की राह में किसी न किसी न रूप में रोड़े अटकाए जाते हैं। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संरास में ठीक ही कहा कि यूएन अपने अतीत का कैदी बना हुआ है। उसे इससे बाहर निकलना होगा और 21वीं सदी की जमीनी हकीकत और तकाजों को समझना होगा। भारत सुरक्षा परिषद का 7 बार अस्थायी सदस्य भी रह चुका है। वह दक्षिण एशिया की एक बड़ी ताकत है। यहां यह जानना जरूरी है कि संरास की सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पाने का नियम क्या है। पहला तो यह है कि संरास महासभा के दो तिहाई सदस्य भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करें। लेकिन इससे भी कठिन शर्त यह है कि पांचों स्थायी सदस्य भी एकमत होकर उसका समर्थन करें। यही सबसे बड़ा पेंच है। फ्रांस ने तो भारत का खुलकर समर्थन कर दिया है। अमेरिका ब्रिटेन भी इसके पक्ष में हैं। रूस भी भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन कर सकता है। लेकिन शायद ही कभी राजी हो। शशि थरुर ने अपनी किताब में 1953 के आसपास भारत को संयुक्त राष्ट्र के सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनने का प्रस्ताव मिला था। लेकिन तब प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने यह स्टैंड ताकवान के बाद चीन को देने की क्वालता की थी। यह भी ऐतिहासिक गलती और अति उदारता का उदाहरण है।

नजरिया

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं ।

सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि बच्चों के यौन शोषण से जुड़े अश्लील वीडियो और कंटेंट डाउनलोड करने, देखने, रखने या उसे किसी को भेजने पर बाल यौन अपराध (पॉक्सो) कानून और आईटी एक्ट के तहत अपराध माना जाएगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा, अगर किसी को ऐसी सप्रगी अनजाने में भी मिली है और वह इसे डिलीट नहीं करता है तो भी पॉक्सो एक्ट की धारा-15 के तहत अपराध होगा। भले ही उस व्यक्ति ने वीडियो किसी को फॉरवर्ड नहीं किया हो। इसके साथ ही चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पाहदीवाला की पीठ ने उच्च न्यायालय मद्रास का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि बाल पोर्न देखना और डाउनलोड करना पॉक्सो तथा आईटी कानून में अपराध नहीं है। इस न्यायालय ने एक युवक के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले को यह कहकर निरस्त कर दिया था कि उसने बाल पोर्न डाउनलोड तो किया लेकिन किसी को भेजा नहीं था। इसके साथ ही शीर्ष न्यायालय ने देशव्यापी यौन शिक्षा कार्यक्रम चालू करने की नसीहत भी भारत सरकार को दी है। न्यायालय ने पोर्न देखने और रखने को अपराध जरूर माना है, लेकिन इससे बाल पोर्न पर अंकुश लग जाएगा, यह कहना मुश्किल है। क्योंकि पोर्न का कारोबार विश्वव्यापी है और इसके सूत्रधार अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में बैठे हुए हैं।

अंतर्जाल की आभासी व मायावी दुनिया से अश्लील सामग्री पर रोक की मांग सबसे पहले इंदौर के जिम्मेवार नागरिक कमलेश वासवानी ने सर्वोच्च न्यायालय से की थी। याचिका में दलील दी गई थी कि इंटरनेट पर अवतरित होने वाली अश्लील वेबसाइटों पर इसलिए प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि ये साइटें स्त्रियों एवं बालकों के साथ यौन दुराचार का कारण तो बन ही रही हैं,सामाजिक कुरूपता बढ़ाने और निकटतम रिश्तों को तार-तार करने की वजह भी बन रही हैं। इंटरनेट पर अश्लील सामग्री को नियंत्रित करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं होने के कारण जहां इनकी संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, वहीं संख्या भी बेतहशा बढ़ रही है। ऐसे में समाज के प्रति उत्तरदायी सरकार का कर्तव्य बनता है कि वह अश्लील प्रौद्योगिकी पर नियंत्रण की ठोस पहल करें। हालांकि अब इस अपराध पर

बाल अश्लीलता पर कोर्ट का अंकुश कितना प्रभावी

नियंत्रण के लिए पॉक्सो एक्ट और आईटी कानून में प्रावधान कर दिए गए हैं। न्यायालय ने इनमें कठोरता के नए प्रावधान भी कर दिए हैं।

वस्तुस्थिति यह है कि इंटरनेट पर अश्लीलता का तिलिस्म भरा पड़ा है। वह भी दृश्य, श्रव्य और मुद्रित तीनों माध्यमों में। ये साइटें नियंत्रित या बंद इसलिए नहीं होती, क्योंकि सर्वरों के नियंत्रण कक्ष विदेशों में स्थित हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मायावी दुनिया में करीब 20 करोड़ अश्लील वीडियो एवं क्लोपिंग चलायमान हैं, जो एक क्लिक पर कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल, फेसबुक, ट्यूटर, यूट्यूब और वाट्सअप की स्क्रीन पर उभर आती हैं। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इंटरनेट पर अश्लीलता की उपलब्धता के यही हालात चीन में भी थे। परंतु चीन ने जब इस यौन हमले से समाज में कुरूपता बढ़ती देखी तो उसके वेब तकनीक से जुड़े अभियंताओं ने एक झटके में सभी वेबसाइटों को प्रतिबंधित कर दिया।

गौरतलब है, जो सर्वर चीन में अश्लीलता परोसते थे, उनके ठिकाने भी चीन से जुदा धरती और आकाश में थे। तब फिर यह बहाना समझ से परे है कि हमारे आईटी विशेषज्ञ इन साइटों को बंद करने में क्यों अक्षम साबित हो रहे हैं? चीन यही नहीं रुका, उसने अब गूगल की तरह अपने सर्वर-इंजन बना लिए हैं। जिन पर अश्लील सामग्री अपलोड करना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

इस तथ्य से दो आश्चर्यें प्राप्त होती हैं कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाव में एक तो हम भारतीय बाजार से इस आभासी दुनिया के कारोबार को हटाना नहीं चाहते, दूसरे इसे इसलिए भी नहीं हटाना चाहते क्योंकि यह कामवर्द्धक दवाओं व उपकरणों और गर्भ निरोधकों की बिक्री बढ़ाने में भी सहायक हो रहा है। जो विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया बना हुआ है। कई सालों से हम विदेशी मुद्रा के लिए इतने भूखे नजर आ रहे हैं कि अपने देश के युवाओं के नैतिक पतन और बच्चियों व स्त्रियों के साथ किए जा रहे दुष्कर्म और हत्या की भी परवाह नहीं कर रहे ?

अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और चीन से विदेशी पूंजी निवेश का आग्रह करते समय क्या हम यह शर्त नहीं रख सकते कि हमें अश्लील वेबसाइटें बंद करने की तकनीक और गूगल की तरह अपना सर्च-इंजन बनाने की तकनीक दें? लेकिन दिक्कत व विरोधाभास यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन, कोरिया और जापान इस अश्लील सामग्री के सबसे बड़े निर्माता और निर्यातक देश हैं। लिहाजा वे आसानी से यह तकनीक हमें देने वाले नहीं हैं। गोया, यह तकनीक हमें ही अपने देशज स्रोतों से विकसित करनी होगी।

ब्रिटेन में सोहो एक ऐसा स्थान है, जिसका विकास ही पोर्न वीडियो फिल्मों एवं पोर्न क्लोपिंग के निर्माण के लिए हुआ है। यहां बनने वाली अश्लील फिल्मों के निर्माण में ऐसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने धन का निवेश करती हैं, जो कामोत्तेजक सामग्री, दवाओं व उपकरणों का निर्माण करती हैं। वियाग्रा, वायब्रेटर, कौमार्य श्लि्ली, कंडोम, और सैक्सि डॉल के अलावा कामोदीपक तेल बनाने वाली ये कंपनियां इन फिल्मों के निर्माण में बढ़ा पूंजी निवेश करके मानसिकता को विकृत कर देने वाले कारोबार को बढ़ावा दे रही हैं। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेठ्डी के पति राज कुंद्रा की कंपनी भी ब्रिटेन को पोर्न फिल्में बेचती थी। यह सी हर 'सेक्स उद्योग' के नाम से ही विकसित हुआ है। बाजार को बढ़ावा देने के ऐसे ही उपायों के चलते ग्रीस और स्वीडन जैसे देशों में क्रमशः 89 और 53 फीसदी किशोर निरोध का उपयोग कर रहे हैं। यही वजह है कि बच्चे नाबालिग उम्र में काम-मनोविज्ञान की दृष्टि से परिपक्व हो रहे हैं। 11 साल की बच्ची रजस्वला होने लगी है और 13-14 साल के किशोर कामोत्तेजना महसूस करने लगे हैं। इस काम-विज्ञान की जिज्ञासा पूर्ति के लिए अब वे फुटपाथी सस्ते साहित्य पर नहीं, इंटरनेट की इन्हीं साइटों पर निर्भर हो गए हैं, उनकी मुड़ियों में मोबाइल थमाकर हम गर्व का अनुभव कर रहे हैं।



संभावना

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं ।

आज के समय में पर्यटन रोजगार और संसाधनों के साथ अर्थव्यवस्था की दृष्टि से तेजी से बढ़ता महत्वपूर्ण उद्योग है। पर्यटन क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं विद्यमान हैं तथा रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। एक ऐसे वक्त जब भारत ही नहीं बल्कि कई देशों के समक्ष रोजगार प्रमुख उद्देश्य, मांग और युवाओं से जुड़े मुद्दे के माप में सामने आया है तब पर्यटन को उम्मीद भरी निगाह से देखा जा सकता है। एक शोध के मुताबिक टूरिज्म ट्रेवलिंग में इस साल 1.36 करोड़ अधिक नौकरियां है जो कोविड पूर्व की तुलना में कहीं ज्यादा है। यूएस ट्रेवल टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार वहां इस सेक्टर में करीब 10 लाख पद खाली है। वर्ल्ड ट्रेड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रेवल इंडस्ट्री का वैश्विक जीडीपी में योगदान वार्षिक आधार पर बढ़कर रिकॉर्ड 924 लाख करोड़ होने की उम्मीद जताई जा रही है।

भारत की दृष्टि से घरेलू पर्यटन में वृद्धि उत्साहजनक है। भारतीय पर्यटकों में अपने ही देश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक महत्व के स्थानों की यात्रा को लेकर रुचि रहान में इजाफा हुआ है। बेहतर कनेक्टिविटी, नई हवाई उड़ानों, सुविधाजनक ट्रेनों के संचालन के चलते यात्राएं सुगम हुई हैं। पर्यटक जोखिम उठाकर भी अपने परिवार और मित्रों के साथ सिक्किम से लेकर जम्मू-कश्मीर, लेह लद्दाख, उत्तराखंड, केरल, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात जैसे पर्यटन प्रमुख राज्यों की यात्राएं कर रहे हैं। हालांकि इनमें से ज्यादातर जगहों पर इस बार भारी बारिश, भूस्खलन, पहाड़ धसकने, बाढ़ और तूफान की वजह से सैलानियों को जोखिम भी उठाना पड़ा। केरल के वायनाड से लेकर हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर, वैष्णो देवी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। कई जगहों पर टूरिस्ट को रेस्क्यू किया गया जबकि वायनाड में 400 लोगों के मारे जाने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से केरल के पर्यटन पर विपरीत असर पड़ सकता है।

दरअसल भारत में पर्यटन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। यह सही है कि सैर सपाटे के शौकीन लोग पर्यटन को जीवन का हिस्सा मानते हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत में ट्रेवल टूरिज्म सेक्टर आगामी 2028 तक तकरीबन 480 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सबसे कम निवेश यात्रा रोजगार पर्यटन सेक्टर ही दे सकता है। ट्रेवल बेनिफिट्स एंड कस्टमर एंगेजमेंट के अनुसार 28 से 43 वर्ष आयु वर्ग का ट्रेवल खर्च अन्य की तुलना में लगभग दोगुना है। इस सर्वे में शामिल लोगों में 90 फीसदी ने बताया कि सालाना फीस वाले किसी भी क्रेडिट कार्ड में एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस उनकी पहली प्राथमिकता है। उधर मेक माई ट्रिप की रिपोर्ट बताती है कि साल में दो बार से ज्यादा विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों की संख्या 32 फीसदी जबकि तीन बार से अधिक विदेश यात्रा करने वालों की संख्या 37



चरवाहों की दिनचर्या, काम करने के तरीकों, खान-पान और रहन-सहन आदि के बारे में जान सकेंगे। पहले से रूरल टूरिज्म, मेडिकल टूरिज्म,जेल पर्यटन, जल पर्यटन, क्रूज पर्यटन तो चल ही रहे हैं।

जहां एक ओर भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विलमोर अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तकनीकी वजह से मझाधर में ही फंसे हुए हैं वहीं स्पेसएक्स के पोलारिस डॉन मिशन में बीते 12 सितंबर को दो अंतरिक्ष यात्रियों जैरेड आइज़ेक मैन और सारा गिलीस ने धरती से 700 किलोमीटर ऊपर स्पेस वॉक पूरी करने का रोमांचक क्षण इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया। स्पेस वॉक के वक्त स्पेस क्राफ्ट की रफ्तार 25 हजार किलोमीटर प्रति घंटा थी। माना जा रहा है कि यह पिछले 50 वर्षों में सबसे ऊंची स्पेस वॉक थी।

याद रहे कि नासा के स्पेस टूरिज्म में 7 यात्रियों को भेजने के सपने को उस वक्त धक्का लगा जब स्टार लाइन में सुनीता विलियम्स और उनके साथी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंस के रह गये। उन्हें वहाँ आठ दिन रुकना था लेकिन अब संभवतः आठ महीने रुकना होगा। इतने समय भारहीन स्थिति में रहना जोखिमपूर्ण है तथा स्वास्थ्यकर्म नहीं होने से रेडिएशन का खतरा भी अधिक रहता है। हालांकि ताजा रिपोर्ट में सुनीता विलियम्स को यह कहते हुए बताया गया है कि उन्हें स्पेस धरती पर नहीं लौट पाने का अफसोस नहीं है, उन्हें अंतरिक्ष में रहना पसंद है। वे 5

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923, Ph. No. 0755-2422692, 4059111 Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सम्बन्ध होना आवश्यक नहीं है।

त्वंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

ने ताजी की रैली हो या कोई समारोह हो या कोई कथा वार्ता हो,एँकर, हर जगह उस छोटे से माइक जिसे भोंगला और चिलम भी कहते हैं, अपनी धीमी आवाज को बुलंद कर हर किसी के कद को ऊंचा कर देते है। अब तो यह हालात है कि माइक का इस्तेमाल छोट-मोटे फल फरूट वाले, होजियरी वाले,साड़ी बेचने वालों के साथ गाजर, मूली, बैंगन भी माइक पर बिकने लगे हैं। गांव में माइक की आवाज सुनकर गांव की जागत जीजी बोली ये भोगला ऐसा बजता है,जिससे गाँव में चिलपाी मच जाती है। पहले दुधवाले का भोपू बजने पर दूध वाले के आने का पता चलता था। अब तो इस भोपू का तोड़ माइक और भोंगले ने



जब वे महफिल में माइक पर होते हैं !

कर दिया है। जिसकी आवाज सड़क से संसद तक, जन्म स्थल से मुक्तिधाम तक,सम्मान समारोह से श्रद्धांजलि तक,मांगलिक कार्यक्रम से नुक्ते घाटे तक, कवि सम्मेलनों से लेकर आम सभाओं तक, गोष्ठियों से लेकर छात्रा तक, माइक के यानी भोगले के चर्चें है । इसके बगैर न तो जन्म दिवस मनता है न हीं शोक सभा होती है ।

इस पर पंडित शिवनारायण जी बोले माइक यानी भोंगले की महिमा अपरंपर है। बगैर माइक के न तो नेताजी की रैली निकलती है न हीं उनको आवाज का आगाज होता है। न हीं भोगले में कैद हुई आवाज से ब्रेकिंग न्यूज़ बनती है। पंडित जी बोले माइक के दम और हुनर से मोहल्ले का रामकुमार हुनरमंद हो गया। जब उन्हें माइक का हुनर हासिल हो गया तो माइक थामने पर कहेते -

आज भी हर कही छ ज जाता हैं हमारा रंग, जब हम महफिल में माइक पर होते है।

रामकुमार के इस माइक की हूनरबाजी से उन्होंने कई कार्यक्रम में बाजी मार ली इस पर सुनील भैया बीच में ही बोल पड़े वे माइक नहीं पकड़ेंगे तो कौन पकड़ेगा। यही नहीं रामकुमार जी ने माइक पकड़ पकड़ कर,हर किसी की तारीफ पर कसीदे पढ़ पढ़ कर इज्जत दिलाकर, इज्जत पाली। उन्होंने माइक पर एक माननीय की तारीफ के फूल बांधकर उन्हें वहां पहुंचा दिया जहा वे कभी नहीं पहुंच सकते थे। माइक पर उनकी विरुदावली बता कर, आंखें बिछाकर,आंखें दिखा कर काम करने की शैली का बखान करने पर उस स्थिति में पहुंच गए कि वे जहां भी जाते हैं उनके लिए रेड कारपेट बिछता है। इसके पहले जब तक उन्होंने माइक पर उनका गुणानुवाद नहीं किया था तब तक वे रेड लाइट और रेड लाइन पर खड़े थे। लेकिन मेरे माइक के कमाल से अब माइक वाले ,बाइट, के लिए उनके आगे पीछे घूमते हैं।

अजगर करे न चाकरी

कटाक्ष

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सुबह देर से उठने वालों को अलहदी समझ बैठे हैं, तो ये फिक्कू निकाल दीजिए। कहें तो ये अपमान है तमाम मनुष्य यौनि में जन्म लेने वाले अजगरों का, कामचोर होना भी आसान नहीं जितना समझ लिया जाता है। अपने को गैर -जिम्मेदार बनना पड़ता है। कहीं आधी रात को शीच जाना है तो उसे भी रोक लें। सोते-सोते पीठ भी अकड़ जाए तो लेटे-लेटे कुत्तासन कर पीठ की नसें चटका कर फिर सो सकें। अजगर होने के लिए मन-वचन-कर्म से खुद को मनुष्यरूपी केंचुल निकलना पड़ता है। वर्ना क्या हो अगर किसी रोज कोई काम सही से हो जाए। अजगर होने का सबसे बड़ा फायदा ये होता है कि अमला उम्मीदें रखना छोड़ देता है। वह उम्मीदों पर खरा न उतरने की आत्मलालि से बच निकलने का ब्रम्हास्त्र पा जाता है। अच्छ लगता है अजगर को घबाले चिख-चिखकर किसी काम को कइं और डोंट वरी भी हैप्पी में सोएंगे? अजगर कभी काम के पीछे नहीं भागता क्योंकि काम उसे खुद ढूँढने आता है। कपड़ा गंद होने पर तर्क देता है कि मैं सीधा-साधा बंदा हूँ। विचारों से रंगा हूँ तो फिर रंगीन दिखता हूँ।

अजगर को अक्सर डइपोक और नाकाम प्राणी समझ लिया जाता है, जबकि होता उलट है। अजगर अपने कुंभकरणीय नौद से ताकत जुटाता है। सेटिंग करने के फेर में इतना बहादुर हो चुका होता है कि हर काम का बी प्लान तैयार करे रहता है। अजगर अधिरी रात में भी चल पड़ता है भूख मिटाने जिसपे दिन में भी जाने के नाम पर कोई भी बालेई झंकेने लगता है। भोजन को आतुर रात में भी मजे-मजे निकल जाता है। अजगर का महत्व एक अजगर ही समझ सकता है। इसी सुस्ती में लीन होकर बड़े-बड़े खोज कर देता है। अजगर बनने के लिए ही तो जन्म लिया होता है। आराम तलबी की चीजें किसे नहीं सुहाती हैं? बेचारा अजगर तो बदनाम है। आजकल मनुष्य भी आलसियों की जमात में नाम है।

अजगर को मिले मौलिक अधिकार का दर्जा, जिससे देर-सबेर अपना आलस्य प्राप्त कर ले। सच कहा जाए तो अजगर रूपी मन ईश्वर द्वारा मनुष्य को दिया गया वरदान है। अजगरों से भरी दुनिया में शांति है। अगर आप बेहद दर्जे के अजगर हैं और हर वक्त इस गिफ्ट में जीते हैं कि आपका सारा दिन पड़े रहने में बीतता है और कोई भी काम आप वक्त पर नहीं करते तो आपको जरा-भी शर्मिदा होने की जरूरत नहीं है। अजगर फिलोसाफी मानता है कि मौजूदा समय में दुनिया में जो थोड़ी-बहुत शांति बची है, उसका सारा क्रेडिट अजगर टाइप बंदो को ही जाता है।अजगर बचपन से ही मानकर चलते हैं कि उनका जन्म कुछ महान न करने के लिए हुआ है, क्योंकि अजगर करे न चाकरी और दुनिया करे नौकरी...



देखा पढ़ा

धर्मेन्द्र सिंह लोधी

ब्रह्मरा ज्ञानगुप्ता

जब मैंने जीवन में पहली बार अकेले लंबी यात्रा की थी, उस यात्रा का एक कटु अनुभव मेरे भीतर अभी तक बसा हुआ है। जब तब वह मुझे दुखी करता रहता है। खासतौर से घुमकड़ों के ट्रेवल वीडियो देखते हुए जब उनके साथ कोई स्कैम होता देखता हूं, अपना वह बुरा अनुभव पुनः मन को खिन्न बना जाता है। मैं सोचता हूं कि काश मेरे साथ वैसा ना हुआ होता, उस वक्त मेरे किशोर उम्र मन पर जो गहरी छाप अंकित हो गई थी वह अब तक कायम है, अफसोस है समय की धारा भी उसे धो नहीं सकती।

वर्ष 1977 के आसपास की बात है, हमारी पढ़ाई समाप्त हुई ही थी। हमने यह सोच कर एमएएससी कर लिया था कि हमारे नगर के आसपास बड़े पैमाने पर औद्योगिकरण हो रहा था, नए-नए संस्थान खुल रहे थे, नौकरी मिलने की संभावनाएं बनने लगीं थीं। अगर हम केमिस्ट्री में एमएएससी कर लेते हैं तो हमें तुरंत कहीं ना कहीं किसी फैक्ट्री में, किसी प्रयोगशाला में नौकरी मिल जाएगी। एमएएससी तो हो गया था उसका परिणाम नहीं आया था फाइनल ईयर का। लेकिन डाक तार विभाग में उन दिनों मैट्रिक और हायर सेकेंडरी के अंकों के आधार पर चयन नौकरी के लिए हो जाया करता था। हमारे अंक अच्छे ही आते थे परीक्षाओं में, मैट्रिक और हायर सेकेंडरी में भी जिले में प्रथम विद्यार्थियों में रहे थे। अंकों के आधार पर हमारा चयन हो गया और एमएएससी का परिणाम आने के पहले ही हमको डाक विभाग में क्लर्क के पद के लिए चुन लिया गया। प्रशिक्षण के लिए हमें उत्तर प्रदेश के सहारनपुर प्रशिक्षण केंद्र पर जाना था तीन महीनों के लिए। वहां एक बहुत बड़ा प्रशिक्षण केंद्र हुआ करता था जो सहारनपुर शहर से थोड़ा ग्रामीण क्षेत्र में दूर स्थित था, यह परिसर संभवतः पहले सैन्य विभाग के पास रहा था तो वहां उसी तरह का अनुशासन होता था। अब तो बहुत बदल गया होगा, हमने तो फिर पोछे मुड़ के देखा ही नहीं। बहरहाल 3 महीने का हमारा प्रशिक्षण होता था, उसके बाद पोस्टिंग होनी थी। हम कभी घर से निकले नहीं थे मात्र 21 बरस की हमारी उम्र थी, पहली अकेले लंबी रेल यात्रा थी, इंदौर से सहारनपुर तक की।

लेकिन जो मैं बताना चाहता हूं वह सहारनपुर स्टेशन पर उतरने के बाद का प्रसंग है। हमने एक ऑटो रिक्शा लिया, उसको बताया कि हमको ट्रेनिंग सेंटर पर पहुंचा दे, कितने पैसे लगे, हमको तो यह भी पता नहीं था कि कितने लगते



दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

वैसे तो सदियों से कृषक वर्ग को अन्रदाता के रूप में महिमामंडित किया जाता रहा है, लेकिन पिढ़ियों से कृषि कार्य करने के उपरांत भी आज अधिकांश कृषक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं है। वैसे कृषक वर्ग के दद की दृष्टि आश्रयण को स्वर देने के लिए विभिन्न कृषक संगठन सक्रिय है। लेकिन भरपूर प्रयासों के बावजूद भी कृषकों की आर्थिक स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नजर नहीं आता। आज भी हर एक फसल के दौरान कृषकों को अपनी वाजिब मांग के लिए तमाम तरह के आंदोलन का सहारा लेना पड़ता है। इसके चलते कृषक वर्ग की शारीरिक और मानसिक श्रम शक्ति का ह्रास होने लगता है।

बोवनी से लेकर फसल कटाई और उसकी बिक्री तक उपज की लागत कितनी आगयी और उपज का दाम कितना मिलेगा ? इसका अंदाजा लगाना मुश्किल ही हुआ करता है। मौसम की मार के अतिरिक्त पर्याप्त मात्रा में खाद की आपूर्ति के प्रति अनिश्चितता भी आम कृषकों को संशय के दायरे से बाहर नहीं निकलने देती। ऐसी स्थिति में कृषक वर्ग फसल दर फसल अनिश्चितता के भंवर में उलझकर रह जाता है। कितने आश्चर्य का विषय है कि अन्य वस्तुओं के उत्पादकों की भांति कृषक वर्ग को यह अधिकार नहीं है कि वह विशुद्ध लागत में अपने लाभ का प्रतिशत जोड़ते हुए अपनी फसल का दाम सुनिश्चित कर सके।

व्यवहार में देखा गया है कि जब कोई उचित मांग भी लंबे समय से की जा रही हो, तो उस मांग को गंभीरता से नहीं लिया जाता। ऐसा मान लिया जाता है कि यह कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसका त्वरित निराकरण करना आवश्यक हो। दरअसल यह एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि तमाम राजनेताओं ने कृषक वर्ग को आदतन याचक के रूप में ही लिया है। हालांकि विभिन्न राजनीतिक दल कृषकों की आय दुगुनी करने का लुभावना नारा देकर वोट बटोरने का कोई भी मौका नहीं छोड़ा करते। लेकिन परिणाम कुछ नहीं निकलता। आज भी कृषक वर्ग को कृषि कार्य की गतिविधियों के साथ-साथ विभिन्न समस्याओं को लेकर संघर्ष करना पड़ता है।



श्राद्ध पक्ष

पल्लवी सक्सेना

क्या मर जाना ही मुक्ति है...? दोस्तों श्राद्ध पक्ष का आरंभ हो चुका है। यह अर्पण और तर्पण के दिन है. कहते हैं इन्‌दिनों हम सच्चे मन और पवित्र भाव से कुछ भी दान करते है तो हमें हमारे पित्रों का आशीर्वाद प्राप्त होता है. इन दिनों पीपल के वृक्ष के नीचे जल चढ़ाना अपने पित्रों के निमित्त यथा शक्ति ब्राह्मण भोज करना आदि बड़ा ही शुभ माना जाता है. ताकि हम अपने पित्रों को मुक्ति एवं मोक्ष प्रदान कराने का प्रयत्न कर सकें. मृत्यु के बाद क्या होता है यह तो कोई नहीं जानता. लेकिन सच क्या वाली बात यह है कि क्या मर जाना ही मुक्ति है ...?

तो मैं कहूँगी हरजिज नहीं काम से कम कलयुग में तो बिलकुल भी नहीं. किन्तु हौं साधु, संत, महात्मा, सद्गुरु आदि को छोड़कर, जितने भी लोग मरते है मुझे नहीं लगता कि सभी को मोक्ष मिल जाता है. यँ भी शायद मुक्ति और मोक्ष में भी अंतर होता है. मुक्ति का अर्थ है एक तरह का

हैं, कितना किराया होता है, उसने हमको जो बताया हम तैयार हो गए। ट्रेनिंग सेंटर बहुत दूर था, शहर से काफी दूर था, हमको कुछ भी पता नहीं था। उस समय ना तो कोई गूगल मैप होता था ना कोई ऐसी जानकारी लेकर घर से निकले थे। नौकरी मिल जाने की खुशी में हम बस निकल गए थे। रिक्शा हमने बुक कर लिया और उसमें बैठ गए डरते डरते। सुन भी रखा था कि यह क्षेत्र बड़ा बदनमान है, और यहां लूट पाट की बड़ी घटनाएं होती रहती हैं। शहर से बाहर निकलते ही हाइवे जैसा मार्ग आया तो रिक्शा वाले ने रिक्शा से उतारकर पूरा किराया वसूल करने के बाद कहा कि अब आप यहां से कोई अन्य सवारी ले लें। राजा बाबू टाइप जीवन रहा था हमारा, दुनियादारी कुछ समझते नहीं थे, अब क्या करें, भीतर ही भीतर हम घबराते रहे।

पता नहीं रिक्शा वाले पर हमारी परेशान शक्ल का असर हुआ या हमारी मासूमियत के कारण थोड़ी बहुत दया आ गई। तो उसने हाइवे पर गुजर रही एक बैल गाड़ी को रुकवा कर उससे कुछ बात की। बैलगाड़ी में बोरियां लदी थीं और गाड़ी में कार के टायर लगे थे, एक ऊंचा पूरा मजबूत बैल उसे खींच रहा था। उसने गाड़ीवान को कहा कि इस लड़के को वह ट्रेनिंग सेंटर छोड़ दे। मान गया बैलगाड़ी वाला, जो सामान लेकर शहर से बाहर किसी गांव में जा रहा होगा। उस गाड़ी पर हम सवार हो गए। रास्ते में उस गाड़ी वाले ने बताया कि यहां इसी तरह से बाहर से आने वालों को परेशान किया जाता है। रिक्शा वाले ने भी दो तीन गुना किराया मुझसे वसूल कर लिया था। बैलगाड़ी वाले ने रास्ते में पड़ने वाले ट्रेनिंग सेंटर के गेट पर हमे उतार दिया। थोड़ी सी राशि उसे भी हमने देने की कोशिश की किंतु वह लेने को राजी नहीं हुआ।

यह वही घटना थी जिसमे रिक्शा चालक ने गंतव्य तक के पूरे पैसे लेकर वहां तक पहुंचाने का वादा किया था, उसने हमारे साथ धोखा किया था, पर्यटकों की आज की भाषा में मेरे साथ स्कैम हुआ था। आज तक नहीं भूल पाया हूं और मुझे लगता है कि यह लोग अजनबी और मासूम यात्रियों के साथ ऐसा क्यों करते हैं? थोड़ा सा ख्याल करना चाहिए, उनके साथ हमदर्दी से पेश आना चाहिए। जब भी मैं किसी ट्रैवलर को या विदेशी ब्लॉगर को या अन्य भाषा भाषी ट्रैवलर को किसी दूसरे इलाके में ठगा जाता देखता या मूर्ख बनाए जाते देखता हूं तो बड़ी वेदना और ग्लानि भी महसूस होने लगती है।

दिल्ली में जो भी ट्रैवलर आते हैं, यहां के बाजारों, स्ट्रीट फूड चौपाटियों, गलियों आदि का खूब मजा लेते हैं। लाल किले के सामने के बाजार और जामा मस्जिद के आसपास

कृषि के प्रति मोहभंग न हो, ऐसे उपाय जरूरी

एक प्रकार से कृषक वर्ग के लिए कुछ भी सहज सुलभ नहीं है। यह तो बहुत ही अच्छा है कि कृषक वर्ग की नई पीढ़ी शिक्षा के प्रति तीव्र गति से आकर्षित हुई है। जिसके चलते यह पीढ़ी व्यापार व्यवसाय और राजगार के अन्य विकल्पों पर भी विशेष ध्यान देने लगी है। इस कारण कृषि या कृषि कार्य पर आश्रित जनसंख्या में संतुलन स्थापित होने लगा है। वरना अब तक तो यही होता आया था कि कृषक वर्ग की हर एक आने वाली पीढ़ी के सम्मुख केवल और केवल कृषि



कार्य का ही विकल्प था। यह सुखद स्थिति है कि कृषक वर्ग की नई पीढ़ी अन्य क्षेत्रों में भी अपने ज्ञान एवं कौशल का परचम लहरा रही है।

दरअसल यह पीढ़ी भलीभांति जानती है कि सदियों से उनके पूर्वज कृषि कार्य करते आए, लेकिन कर्मजुक्त नहीं हो सके। एक प्रकार से कृषि कार्य हर एक कृषक परिवार के लिए उसकी विवशता ही थी। कृषकों के लिए अन्य किसी उपागार के विकल्प नहीं थे। यह सिलसिला सदियों तक निरंतर चलता रहा। लेकिन अब समय परिवर्तन हो चुका है। अब वह स्थिति नहीं रही कि कृषक वर्ग की आने वाली पीढ़ियां आवश्यक रूप से कृषि कार्य को ही प्राथमिकता दें। यही कारण है कि छोटे-छोटे ग्राम, नगर एवं महानगर में बहुत तेजी के साथ यह पीढ़ी अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परिचय देने लगी है।

वीथिका

क्यों होता है ऐसा अनजान पर्यटकों के साथ



के बाजार, चांदनी चौक जैसे इन इलाकों में बहुत रुचि से घूमते हैं और वहां के खान-पान को और वहां की चहल पहल, भीड़ भाड़ को भी एंजॉय करते हैं। यहां के लोगों से उत्साह से बातचीत करते हैं और बहुत अच्छ चित्रण करते हैं। कर्नाट प्लेस पर भी ये लोग बहुत घूमते हैं।

एक वीडियो हमने देखा था पिछले दिनों। दिल्ली घूमने आया ऐसा ही एक विदेशी पर्यटक खरीददारी कर रहा है और अपने यूट्यूब चैनल के लिए वीडियो बनाते हुए ब्लॉगिंग भी

कर रहा है। हिंदी में बातचीत करने के लिए उसके पास मात्र कुछ वाक्य हैं। नमस्कार,सलाम वालेकुम,कैसे हो? आपका नाम क्या है? आप कहां से हो? इसके अलावा उसे हिंदी में कुछ समझ नहीं आता। संकेतों और मोबाइल के ट्रॉसलेट एप से काम चलाने की कोशिश करता है। चाय और लस्सी जरूर पीता है बीच बीच में। बहुत आत्मीयता दिखाई देती है स्थानीय लोगों और पर्यटक के बीच। देखते हुए दर्शक भी भाव विह्वल हो उठते हैं। बड़े सुखद दृश्य होते हैं सामने, जब

लता जी जैसा कोई नहीं

लता मंगेशकर की जयंती

रमेश रंजन त्रिपाठी



सात सूर, नव रस, छह राग और उनकी अनेक रागिनियाँ, तार, वायु, आघात और चमड़े के चार तरह के वाद्यों की महफिल में साढ़े नौ दशक पहले लता मंगेशकर के आ जाने से चार चाँद लग गए। छह ऋतुएँ, चार मौसम, बारह महीने, सात दिन, पंद्रह तिथियाँ, दो पखवाड़े, दिनमान की साठ घंटियाँ कितनी बार आती-जाती रहीं लेकिन ऐसा पल नहीं आया जब लता जी की आवाज उनके साथ नहीं थीं। अंधेरे को चीरती उषा की लालिमा, धार्मिक स्थलों में गुंजते प्रार्थना के स्वर, अधखिली कलियों पर पसरी हीरे सी चमकती ओस, वर्षा की पहली शीतल फुहार, शिव जी के डमरू से गुंजते अनहद नाद से व्याप्त कैलाश पर्वत की अलौकिक नीरवता, विकलता का शमन करती झंकार, करुण रस की स्निग्धता, सात्विक आनंद की पराकाष्ठा, प्रेम का मर्म, जीवन का सत्व, चैतन्य की अनुभूति, तपस्या का सार, साधना का मुकाम, स्नेह का बंधन, बेकरार दिल का मरहम, क्या-क्या नहीं है लता जी के दिव्य स्वर में? यह लिस्ट इतनी लंबी है कि गिनीज बुक में दर्ज हो जाए।

पार्श्व गायन के क्षेत्र में लता जी के पहले भी अनेक स्वर थे और फिल्मों में उनके पदार्पण के बाद भी बहुत आवाजें आईं। लेकिन न पहले और न बाद में, कोई उनके आसपास भी नहीं पहुँचा। ऐसा केवल तिकड़म या भाग्य भरोसे संभव नहीं होता। शीर्ष मुकाम हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत, अथक साधना और कठोर तपस्या करनी पड़ती है। इसका प्रभाव व्यक्तित्व में झलकने लगता है, ऐसा अनोखा आभामंडल निर्मित हो जाता है कि हर किसी का सिर श्रद्धावनत हो जाए।

लता जी समय की बेहद पाबंद रही हैं। यह सच है कि समय का सम्मान करनेवाले की कद्र वक्त भी करता है। समय अपने खजाने से किसी को आठ दशकों का कार्यकाल यँ ही नहीं बख़्शाता। भले ही वक्त ने लता जी की आयु

वह हमारी परंपराओं और खान पान में रुचि दिखाता है। मन गदगद हो उठता है।

पर्यटक जानता है कि दिल्ली के बाजारों में मोल भाव (बागौनिंग) काफी होता है। पांच छह गुनी कीमत लेकर विदेशी पर्यटक को सामान बेचते हम अपने सामने देखते हैं। फिर भी पर्यटक वह चीजें खरीदता है। कोशिश करता है कम कीमत पर खरीदने की। विराट कोहली जैसी जर्सी खरीदता है, रेबन ब्रांड जैसा गॉगल और ब्रांडेड जूते भी। सभी कुछ असली नहीं होते, उनकी नकल होते हैं,उसे भी पता है लेकिन खरीदने के लिए खरीददारी करता है। पहनकर घूमता फिरता है। अन्य स्थानीय ग्राहकों से बाद में पूछता है कि इन जूतों की क्या कीमत होगी? आठ हजार रुपयों के जूते उसने मोल भाव के बाद तीन हजार में खुशी खुशी पहन लिए थे। यह जानकर उसके चेहरे पर कोई शिकन नहीं है कि जूतों की वास्तविक कीमत मात्र पंद्रह सौ रुपए है। उसके पास अपने काम की खुशी है। स्थानीयता और लोगों को जानने और उनसे संवाद करने का सुख और आनंद है।

नए खरीदे महंगे जूते उसे आरामदायक नहीं लग रहे। एक जगह रुककर फिर से पुराने जूते पहन लेता है। अब वह ठीक से घूमने का मजा ले रहा है। सामने एक मोची दिखाई देता है। वह अपने पुराने जूतों को पॉलिश करवाता है। सौ रुपयों में बिल्कुल नए हो जाते हैं पर्यटक के जूते। हुनरमंद मोची टूटी फूटी अंगूठी बेोलता है। समझ भी लेता है। पर्यटक मजदूरी के सौ रुपए देता है उसे और अपने एक खरीदे जूतों की जोड़ी भी उसी मोची को दे देता है उपहार में। कहता है इनका जो उपयोग करना हो, कर लेना।

इस बीच ब्लॉगर पर्यटक के कुछ स्थानीय फोलोवर भी वहां ककड़ो हो गए होते हैं। एक लड़की अचरज से पूछती है ये नए जूते आपने मोची को क्यों दे दिए? ये तो बहुत महंगे हैं। वह बोलता है, ये मेरे किसी काम के नहीं हैं अब। इन्हे पहनने के बाद मैं अपना काम ही नहीं कर पा रहा। इनके काम आ जाएंगे। इन्होंने मेरे पुराने जूते सही दाम लेकर नए कर दिए हैं। नए जूते की खरीददारी में ठगे जाने पर विदेशी पर्यटक को कोई अफसोस नहीं है। उसके चेहरे पर कोई शिकन नहीं है। अपना कैमरा थामे वीडियो बनाता हुआ वह अगर बढ़ जाता है। टीवी स्क्रीन के सामने बैठा मैं ग्लानि से पानी पानी हो जाता हूँ। माथे पर तनाव की लकीरें कुछ और गह्रा जाती हैं। यह विडंबना ही है कि अजनबियों को ठगे जाने की ये घटनाएं वर्षों पहले भी होती थीं और आज इतनी प्रगति और विकास होने के बाद भी हमारी यह वृष्टि बनी हुई है। जरा सोचिए, ऐसा क्यों है?

या प्रोफेशनल अवधि की सीमा तय की हो लेकिन उनकी कीर्ति अनंतकाल के लिए और लोगों का प्यार बेशुमार है।

लता जी के गाये गीत वे ही गा सकती हैं और कोई नहीं, क्योंकि शब्दों, धुन और ऑर्केस्ट्रा की नकल की जा सकती है, परंतु उस भावना की कॉपी कोई कैसे कर पाएगा जो उस गाने को कालजयी बनाता है? इस पैमाने पर उनके सभी गाने खरे उतरते हैं। केवल याद दिलाने के लिए कुछ उदाहरण देखिए- ठंडी हवाएँ लहरा के आएँ (नौजवान), तुम न जाने किस जहां में खो गए (सजा), आएगा आनेवाला (महल), अजीब दास्ताँ है ये (दिल अपना और प्रीत पराई), लग जा गले (वह कौन थी), ओ सजना बरखा बहार आई (परख), जिसे तू कबूल कर ले (देवदास), हय रे वो दिन क्यों न आए (अनुराधा), यूँ हसरतों के दाग (अदालत), जानेवाले से मुलाकात न होने पाई (अमर), जो मैं जानती बिछुर है सैंया (शबाब), ये शाम की तनहाइयाँ (आह), रसिक बलमा (चोरी चोरी), कहीं ले चले हो बता दो मुसाफिर (दुर्गेशान्दिनी), छुप गया कोई रे दूर से पुकार के (चम्पाकली), वो भूली दास्ताँ लो फिर याद आ गई (संजोग) आदि आदि।

लता जी के कई गीतों का रीमिक्स वर्जन आया और खूब पसंद किया गया। याद करिए, 'समाधि' का काँटा लगा। लता जी ऐसे रीमिक्स वर्जन के खिलाफ थीं। उनका विशेष उचित भी है। रीमिक्स तैयार करने में मेहनत नहीं करनी पड़ती क्योंकि बोल, धुन और गायन का अंशज तो तैयार मिल जाता है, बस उसे बिगाड़ने में मेहनत करनी पड़ती है। मौलिक गानों की कॉपी करते हुए किसी गायक या गायिका से उसे गवाया जाता है। सबकुछ लाउड बनाकर परेसा जाता है। सुननेवाला अपने अवचेतन मन में बसे ऑरिजिनल गाने की मधुरता की याद में उसे सुनाता और पसंद किया करता है। ध्यान देंगे तो समझ जाएंगे कि 'काँटा लगा' के लता जी के गाए मौलिक गाने का जवाब नहीं है। रीमिक्स वर्जन ऑरिजिनल का पार्संग भी नहीं है। समझ में नहीं आता कि ऑरिजिनल गाने में छेड़छाड़ की क्या ज़रूरत है? अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाएँ और नया तथा बेहतर गीत तैयार कर बाज़ार में सर्क्यूलेट कर दें। क्या रीमिक्स का रहस्य इसी बात में यानी नया और बेहतर करने की क़ाबिलियत के सवाल में ही छिपा है?

या ना मिले. किंतु जो जीवित है. इसी बहाने उनके हाथों थोड़ा दान धर्म हो जाए. ताकि उनके कर्म सुधर जायें. नहीं...?

याद रखिये मृत्यु को प्राप्त हो जाना या कड़े शब्दों में कहें तो मर जाना मुक्ति नहीं काम या कर्म है मोक्ष का मार्ग. यदि आप इस सांसारिक मोह माया से हमेशा के लिए छुटकारा पाना चाहते हैं तो आपको मुक्ति की नहीं मोक्ष की आवश्यकता होगी और यदि आप बार-बार जन्म लेकर इस धरती पर आना चाहते है तो एक निश्चित समय अवधि के पश्चात् आपको मुक्ति की तलाश होगी. चुनाव आपका है क्योंकि आपके कर्म ही यह तय करेंगे की आपको कितनी बार अलग-अलग रूपों में इस धरती पर जन्म लेना है और कैसे भी। जैसे कर्म करेगा वैसा फल देगा भगवान' यह है गीता का ज्ञान.

बाकी तो किस के कर्म कैसे थे और उसे ईश्वर में विलीन होने के बाद क्या मिला क्या नहीं मिला, यह तो आज तक कोई नहीं जान पाया ना कभी कोई जान पायेगा. किन्तु हौं हम सब एक अच्छ छंसान होने के नाते अपने सभी परिजनों की दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए "जिन्हें हम जानते है उनके लिए भी और जिन्हें हम नहीं जानते उनकी मुक्ति के लिए भी" ईश्वर से इतनी प्रार्थना तो कर ही सकते हैं कि उन सभी को ईश्वर अपने श्री चरणों में स्थान दे..? शान्ति



मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना के तहत हुआ ई राशन कार्ड का वितरण

ताप्ती वार्ड के 57 हितग्राहियों को मिला ई राशन कार्ड

बैतूल / मुलताई। मुलताई नगर के ताप्ती वार्ड के 57 हितग्राहियों को ई राशन कार्ड का वितरण किया गया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा



अधिनियम 2013 अनुसार लखित सार्वजनिक वितरण प्रणाली हेतु मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना अंतर्गत खाद्य सुरक्षा पात्रता पची, ई राशन कार्ड वितरण के लिए आज मुलताई नगर पालिका में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें ताप्ती वार्ड के कुल 57 हितग्राहियों को ई राशन कार्ड वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गढ़ेकर, सभापति महेंद्र पिड्डू जैन, रिंतेरा विश्वकर्मा, शिल्पा शर्मा, कुसुम पवार, ताप्ती वार्ड पार्षद निर्मला उबनारे एवं राशन कार्ड प्रभारी श्वेता राजत मुख्य रूप से उपस्थित रहे। ताप्ती वार्ड पार्षद निर्मला उबनारे द्वारा वार्ड में प्रत्येक हितग्राहियों के घरों पर जाकर, उन्हें अपने साथ नगर पालिका लाकर, उनके फार्म भरवा गए थे और सभी हितग्राहियों के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। फिलहाल 57 हितग्राहियों को ई राशन कार्ड वितरण किया गया है, ताप्ती वार्ड से करीब 120 हितग्राहियों को ई राशन कार्ड वितरित किए जाने हैं। वहीं मुलताई नगर में करीब 333 हितग्राहियों को इसका लाभ मिलना है।

स्थानांतरित 4 कर्मचारियों द्वारा सरकारी आवास खाली न करने पर, उनके वेतन से किरारा वसूली के आदेश जारी

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उर्दके ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के 4 कर्मचारियों द्वारा स्थानांतरण होने के बावजूद भी शासकीय आवास खाली नहीं किए गए थे, इसलिए उनके वेतन से मकान किरारा वसूली के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि स्थानांतरित कर्मचारी अखिलेश मालवी से 37 माह का किरारा लगभग 2 लाख 58 हजार 260 रूपए वसूल किया जाएगा। जबकि रंजना खोबरागड़े से 14 माह का किरारा 97 हजार 720 रूपए, अनुसुइया चौरिया से 14 माह का किरारा 97 हजार 720 रूपए, प्रतिमा राजपूत से 14 माह का किरारा 97 हजार 720 रूपए उनके वेतन से वसूल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों के वेतन से वसूली की गई इस किरारा राशि को चालान द्वारा शासकीय मद में जमा किया जाएगा।

नशा मानव जीवन को मूल्यहीन बनाता है : ब्रह्माकुमारी अर्चना

बैतूल। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत उर्वशी ग्लोबल प्ले एंड हाई स्कूल आठने में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारी संस्थान से आई हुई अर्चना बहने ने सभी को नशी से



होने वाले नुकसानों के बारे में बताया एवं अपने जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार का नशा न करने की पहल की। उन्होंने बताया कि नशा करने से हमें कई प्रकार के नुकसान होते हैं। जैसे चारित्रिक नुकसान, आर्थिक नुकसान, नशे के कारण व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता भी कम हो जाते हैं। जिससे वह सही समय पर सही निर्णय नहीं ले पाते बहने ने बताया की इन बुराइयों से मुक्त होकर हमें अपने जीवन को नैतिक मूल्यों से भरपूर करना है। अतः कार्यक्रम के अंत में ब्रह्माकुमारी अर्चना बहने ने सभी को नशा न करने की एवं अपने समाज को नशा मुक्त बनाने की प्रतिज्ञा दिलवाई कार्यक्रम में स्कूल की प्रिंसिपल भावना नरवरे, ममता डांगे, ममता झाड़े, जगदीश जीत पूरे आयुष आजाद, छाया कापसे, रूपाली आवटे, संगीता कावड़कर वैशाली लहर पूरे संतोषी कनाटे, नूपुर लोखंडे, युक्ति घोरसे, आस्था सिके, दीपा साहू, श्वेता लोखंडे, सोनम पंडाग्रे, प्रीति मगरदे, निशा लहरपुरे, आरती बारस्कर, मोनिका पाटणकर, निंकिता गवहाडे, सुमन अड़लक एवं लगभग 350 विद्यार्थी शामिल रहे।

वन विभाग में हुए तबादले सीसीएफ का तबादला, एक डीएफओ भी बदले

बैतूल। मध्य प्रदेश शासन के वन विभाग के सचिव के आदेशानुसार शुक्रवार 27 सितम्बर को जारी हुए तबादला आदेश की सूची जारी हो गई है। वन विभाग ने भारतीय वन सेवा के करीब दो दर्जन से अधिक अधिकारियों को इधर से उधर किया है। इसमें बैतूल सीसीएफ पीएन मिश्रा को आखिर जनप्रतिनिधियों की नाराजगी और विवादित कार्यप्रणाली के कारण कुछ माह में ही हटा दिया गया है। उनके स्थान पर भारतीय वन सेवा 2010 बैच की बाशु कनौजिया को वन संरक्षक और पदेन वन मंडलाधिकारी उत्तर सामान्य वन मंडल से बैतूल का नया सीसीएफ बनाया गया है। इसी तरह नवीन गर्ग को उप वन संरक्षक, मध्य प्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड भोपाल से डीएफओ उत्तर वन मंडल बैतूल बनाया गया है।

प्रभारी सचिव श्री केसरी 4 अक्टूबर को बैतूल में विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे

बैतूल। प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा नर्मदापुरम संभाग के प्रभारी अजीत केसरी आगामी 4 अक्टूबर को विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि यह बैठक कलेक्ट्रेट बैतूल के सभाकक्ष में दोपहर 1 बजे से आयोजित होगी। बैठक में संभाग के हट्टा, नर्मदापुरम और बैतूल तीनों जिलों के कलेक्टर्स के साथ-साथ जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

बैतूल

जिले की एकमात्र शा. हिंदी,उर्दू शाला को मिली उर्दू शिक्षिका, क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं : विधायक देशमुख

बैतूल / मुलताई। मुलताई नगर के नाका नंबर एक पर स्थित जिले की एकमात्र शासकीय हिंदी उर्दू माध्यमिक विद्यालय में वर्षों बाद उर्दू विषय की शिक्षिका को पदस्थ किया गया है। जिले के एकमात्र उर्दू स्कूल का यह दुर्भाग्य रहा है कि बरसों से यहां पर उर्दू शिक्षक की कमी रही है। जिसकी लंबे समय से मांग की जाती रही है जो विधायक चंद्रशेखर देशमुख के प्रयासों वर्षों बाद पूरी हुई है। हालांकि यह पद स्थापना भी अस्थाई है वर्तमान समय में उर्दू स्कूल में उर्दू की शिक्षक की कमी को देखते हुए फरहत अली जो की ग्राम हीवरा में पदस्थ थी को अस्थाई रूप से शासकीय हिंदी उर्दू माध्यमिक विद्यालय मुलताई में पदस्थ किया गया है। इस अवसर पर हिंदी उर्दू स्कूल में विधायक और जनप्रतिनिधियों का आभार कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें शाला के छात्र-छात्राओं ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। पाठकों एवं गणमान्य नागरिकों ने उर्दू शिक्षक की नियुक्ति के लिए विधायक देशमुख का आभार व्यक्त करते हुए हिंदी उर्दू स्कूल की अन्य समस्याओं से अवगत कराया इस अवसर पर विधायक देशमुख ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अभी हम उर्दू शिक्षक की वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे हैं किंतु शीघ्र ही उर्दू शिक्षक

की स्थाई नियुक्ति कर इस समस्या का समाधान किया जाएगा साथ ही शिक्षा विभाग के पोर्टल में हिंदी उर्दू शिक्षक की नियुक्ति संबंधित रिकार्ड को भी सुधारा जाएगा। उन्होंने कहा है कि स्कूल संबंधी अन्य समस्याओं के समाधान के लिए इंजीनियर को भेज कर इसका एस्टीमेट बनाया जाएगा और स्कूल की सभी समस्याओं का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में प्रतिभाओं का अभाव कभी नहीं रहा है किंतु उन्हें शिक्षा संबंधी सही लाइन नहीं मिल पाती जब किसी भी परिवार का एक बच्चा पढ़ता है तो संपूर्ण परिवार आगे बढ़ता है। हाजी सलीम खान ने कहा कि जिन लोगों के प्रयासों से जिले के एकमात्र हिंदी उर्दू स्कूल की स्थापना 1985 में हुई थी आज उसमें से अधिकांश लोग नहीं है स्कूल प्रारंभ करने में हमें कोई समस्या नहीं हुई थी किंतु उसके बाद से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को लेकर अब तक संघर्ष चल रहा है। भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला कोषाध्यक्ष जाफर पटेल ने उर्दू शिक्षक की नियुक्ति के लिए विधायक देशमुख का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष गणेश साहू, बीआरसी आशीष चंद्र शर्मा, शाला प्रमुख वर्षा खरे, मुन्ना मिस्त्री, आबिद भाई, आरिफ भाई पेंटर शाला स्टांप उपस्थित था।



पोषण प्रदर्शनी में सांवा की इडली और मुनगे के पराठों ने बटोरी वाहवाही

- ग्रामीण रसोई के स्टार बने मुनगे के पराठे और सांवा की इडली
- भारत भारती में राष्ट्रीय पोषण माह का हुआ आयोजन
- पौष्टिक आहार के साथ महिलाओं ने जीते पुरस्कार
- अतिथियों ने की महिलाओं की रचनात्मकता की सराहना



बैतूल। एकीकृत बाल विकास परियोजना बैतूल ग्रामीण के सेक्टर बैतूल-2 अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र जामठी-2 में राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन भव्य तरीके से किया गया। यह कार्यक्रम अंबेडकर भवन भारत भारती में संचर हुआ, जिसका शुभारंभ जनपद सदस्य श्रीमती कचरा भूमरकर, सरपंच पुलुराम वाड्डिया और सहयोगिनी मातु समिति की अध्यक्ष श्रीमती नीतू जॉजारे ने मां सरस्वती और अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया।

अतिथियों का स्वागत करने के बाद, क्षेत्रीय पर्यवेक्षक श्रीमती अर्चना तिवारी ने कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य सामग्री से पौष्टिक

भोजन बनाने के तरीकों पर चर्चा की और मुन्गे को बहु-उपयोगी बताते हुए इसे दैनिक आहार में शामिल करने की सलाह दी। इसके साथ ही, मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत पाक्सो, घरेलू हिंसा, और 'गुड टच-बेड टच' के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में पोषण प्रदर्शनी रही, जिसमें महिलाओं ने मोटे अनाज और टीएचआर से बने व्यंजन प्रदर्शित किए। इस प्रदर्शनी में झगड़िया निवासी रामकली ने संतुलित थाली बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कढ़ाई गांव की फूलमत ठाकरे ने सावा की इडली और ज्वार की खिचड़ी बनाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर लापाझिरी की इंदिरा हजारो ने टीएचआर के लड्डू और मसमझिरी की अंजलि

सातनकर ने मुन्गे के पराठे बनाकर सबका दिल जीता। सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में हाई स्कूल के शिक्षक श्री गावडे ने भी संबोधन किया, जिसमें उन्होंने पौष्टिक आहार के महत्व पर जोर दिया। अंत में, क्षेत्रीय पर्यवेक्षक अर्चना तिवारी ने पियर लीडर के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी पुरस्कृत किया। इस कार्यक्रम में सेक्टर की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं, हाई स्कूल के शिक्षक चिरंजी भूमरकर और बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाया। इस आयोजन ने ग्रामीण क्षेत्र में पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भीमपुर जनपद सदस्य ने की क्षेत्र में सड़क एवं पुलिया निर्माण की मांग



मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। आदिवासी बाहुल्य जिला बैतूल में दर्जनों ग्राम आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जिनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। यहां ग्रामीण सुविधाओं के लिए वर्षों से सिर्फ मांग कर रहे हैं, लेकिन इनकी मांगों को जमीनी स्तर पर नहीं उतरा जा रहा है। जिसके कारण वनांचलों के ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिले के कई ग्राम मुख्यालय से कटे हुए हैं, जहां ग्राम तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क का भी अभाव है, जिसके कारण बारिश के चार माह इनके लिए वनवास से कम नहीं रहते हैं। आवागमन में यहां के लोगों को काफी परेशानी होती है। ग्रामीणों को हो रही परेशानियों को देखते हुए जनपद पंचायत भीमपुर के जनपद सदस्य पप्पू काकोडिया ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर श्र नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में सड़क एवं पुलिया निर्माण किए जाने की मांग है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि जनपद पंचायत भीमपुर की ग्राम पंचायत पलासपानी के कोहकाबना में 400 मीटर सीसी रोड मुख्य मार्ग पर स्वीकृत किया जाए। ग्राम पंचायत पलासपानी के महबाना से बैरागड़ तक 2 किलोमीटर मीटर सीसी निर्माण कार्य किया जाए। ग्राम पंचायत पलासपानी से गुवाबाबा बैरागड़ में 400 मीटर सीसी रोड निर्माण किया जाए। ग्राम पंचायत भीमपुर के छिंदीखापा में 400 मीटर सीसी रोड स्वीकृत किया जाए या प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण किया जाए। इसके अलावा ग्राम पंचायत भीमपुर के बेहडाबना से इमलीबाना मार्ग पर धरयाव धुवें के खेत के पास पुलिया निर्माण किया जाए।

दो गुमशुदा बालकों को 6 घंटे में खोजकर परिजनों को किया सुपुर्द

बैतूल/शाहपुर। थाना शाहपुर ग्राम ढोढर मऊ, चौकी भौरा के रहने वाले दो बालक आदर्श पिता सुनील धुवें उम्र 12 वर्ष एवं अंशुल पिता मंशु परते उम्र 12 वर्ष, दोनों बच्चे स्कूल के लिए निकले थे, जो स्कूल न जाकर कहीं और चले गये थे। दोनों बच्चे शाम तक घर नहीं पहुंचने पर उनके परिवार जनों ने आसपास के बच्चों से पूछताछ की, बच्चों को गांव में तलाश किया तथा आसपास के गांव के लोगों, रिस्तेदारों से भी फोन में पुछताछ की गई। गुम हुए बच्चों का कहीं पता नहीं चलने पर कक्षा शिक्षकों से भी पूछा गया लेकिन दोनों बालकों का कहीं पता नहीं चलने पर परिजनों ने इसकी सूचना तत्काल भौरा चौकी पहुंचकर चौकी प्रभारी संदीप परतेती को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए चौकी प्रभारी द्वारा दो अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शाहपुर एवं थाना प्रभारी शाहपुर एवं चौकी प्रभारी संदीप परतेती को



पुलिस शाहपुर मयंक तिवारी एवं थाना प्रभारी शाहपुर जयपाल इवनाती को दी गई। पुलिस अधीक्षक निश्वल झरिया द्वारा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शाहपुर एवं थाना प्रभारी शाहपुर एवं चौकी प्रभारी संदीप परतेती को

दोनों गुमशुदा बालकों की तलाश पतरसी हेतु तत्काल टीम रवाना करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही तत्काल सोशल मीडिया-व्हाट्सएप रूप के माध्यम से दोनों बालकों की फोटो रूप् में भेजकर लोगो से

टास्क फोर्स ने कोयलारी बीट का अतिक्रमण हटाया

वन विभाग और प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई, सिरघाट विस्थापितों ने किया था अतिक्रमण



बैतूल। जिले के कोयलारी बीट के कक्ष क्रमांक आरएफ 160 में सिरघाट के विस्थापितों का जिला टास्क फोर्स ने अतिक्रमण हटाने के लिए शुक्रवार 27 सितंबर को वन सुरक्षा समिति कोयलारी की अगुवाई में एक बड़ा अभियान चलाया गया। यह अतिक्रमण सिरघाट से विस्थापित किए गए उन लोगों द्वारा किया गया था, जिन्हें शासन द्वारा विस्थापन के समय मुआवजा दिया गया था। इतने लंबे समय बाद, जिला स्तरीय टास्क फोर्स को उपस्थिति में इस अतिक्रमण को हटाया गया।

इस मुहिम में वन सुरक्षा समिति के साथ वन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस विभाग के बल की सक्रिय भागीदारी रही। जिला स्तर की टास्क फोर्स की कड़ी निगरानी में इस अतिक्रमण हटाने के अभियान को अंजाम दिया। इस अतिक्रमण को शांतिपूर्ण तरीके से हटया गया, जिसमें अतिक्रमणकारियों ने भी सहयोग किया और स्वयं अपना सामान हटाकर स्थल खाली कर दिया।

सिरघाट के विस्थापितों का शांतिपूर्ण सहयोग- 56 वर्ष पहले सिरघाट से विस्थापित किए गए इन लोगों को शासन द्वारा मुआवजा दिया गया था, लेकिन उन्होंने वन विभाग की कोयलारी बीट के आरएफ 160 कक्ष में अवैध रूप से अतिक्रमण कर टपरे बना लिये थे जब जिला टास्क फोर्स द्वारा यह मुहिम शुरू की गई, तब अतिक्रमणकारियों ने बिना किसी विरोध के अपना सामान समेट लिया और शांतिपूर्वक तरीके से अतिक्रमण हटाने में सहयोग दिया।

वन विभाग और पुलिस की उपस्थिति में कार्रवाई- अतिक्रमण हटाने की इस मुहिम में एसडीएम शाहपुर, तहसीलदार शाहपुर, प्रभारी एसडीओ आईएफएस बैतूल, एसडीओपी शाहपुर, टीआई शाहपुर और भीरा थाना प्रभारी की मौजूदगी रही। इस सामूहिक कार्रवाई में पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसने पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित और शांति बनाए रखते हुए संचर कराया।

प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत जिले के 554 गांव का होगा विकास



बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की तैयारियों को समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा जनजातीय बाहुल्य ग्रामों को पूर्ण रूप से विकसित करने तथा चरणबद्ध विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान को केन्द्रीय मंत्री मंडल द्वारा हाल ही मंजूरी दी गई है। अभियान के तहत गांवों का

सुनियोजित विकास किया जाएगा। जिले में योजना के तहत 10 विकासखंड के 554 गांव शामिल है, जिनको इस योजना में विकसित किया जाएगा। फिलहाल इसमें 25 प्रकार की गतिविधियां शामिल की गई है, जो जनजातीय लोगों को बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि के साथ ही उनकी मूलभूत आवश्यकताओं और सुविधाओं की पूर्ति के लिए सहायक होंगे। इसके अंतर्गत 17 विभागों द्वारा समन्वय से कार्य किया जायेगा और प्रत्येक मंत्रालय विभाग द्वारा आगामी 5 वर्षों में अनुसूचित

जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना के तहत उन्हें आवंटित बजट के माध्यम से सम्यबद्ध तरीके से योजना का क्रियान्वयन होगा। इस अभियान के तहत प्रमुख रूप से 4 लक्ष्यों का निर्धारण किया गया है, इसमें जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में सक्षम बुनियादी ढांचे का विकास, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, अच्छी शिक्षा तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करना तथा स्वस्थ जीवन के साथ ही सम्मानजनक जीवन की धारणा को सुनिश्चित करना शामिल है।

जानकारी एकत्रित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। निर्देशानुसार चौकी प्रभारी द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से एवं थाने की टीम से आसपास के क्षेत्र में गुमशुदा बालकों की तलाशी करवाई गई। सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई की दोनों बालक जीआरपी इटारसी में होना पाए गए। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार तत्काल चौकी से टीम को इटारसी के लिए रवाना किया गया एवं दोनों बालकों की दस्तयाब की गई तथा उन्हें कुशल लाकर परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस की सक्रियता एवं तत्काल कार्रवाई किए जाने से ही दोनों गुम बालकों का दस्तयाब किया जाना संभव हो सका। पुलिस की इस सहयोगात्मक कार्यवाही के लिए दोनों बालकों के परिजनों द्वारा पुलिस का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया गया है।

छतरपुर में होगी दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता

नगर के गौतम अहिरवार संभागीय दिव्यांग क्रिकेट टीम कप्तान



सुबह सवेरे सोहागपुर। छतरपुर में मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाली दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता 29 सितंबर में होगी। इस प्रतियोगिता का आयोजन पुलिस लाइन छतरपुर में संपन्न होगा। इस प्रतियोगिता में नर्मदापुरम संभाग दिव्यांग क्रिकेट टीम के कप्तान नगर के उक्तूष्ट प्रदर्शन करने वाले दिव्यांग क्रिकेटर गौतम अहिरवार टीम में मुख्य भूमिका निभाएंगे। श्री अहिरवार ने बताया कि इस टीम में विनीत यादव एवं बाबूलाल यादव इटारसी,अमन श्रीवास्तव एवं मनोज पाराशर नर्सिंहपुर, अभिषेक ठाकुर, जितेन्द्र बाथरे, शिवकुमार पटेल, मुकेश पटेल,गौतम अहिरवार सोहागपुर, जितेन्द्र चौरसिया भोपाल आदि नर्मदापुरम टीम में अपना जौहर दिखाएंगे। उक्त आय्श की जानकारी गौतम अहिरवार ने सुबह सवेरे प्रतिनिधि को दी।

सेन समाज की मासूम के साथ हुई दरिंदगी के आरोपी को फांसी की मांग

देवास/मोहन वर्मा। प्रदेश में आए दिन दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ती जा रही है। हव्स के शिकारी मासूम बच्चियों को शिकार बना रहे है। दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं पर रोक लगाने हेतु कड़े कानून बनाने की सख्त आवश्यकता है। विगत दिनों प्रदेश के हरदा जिले में इसी प्रकार की घटना घटित हुई। जिसमें सेन समाज की एक मासूम के साथ दरिंदगी का सनसनीखेज मामला सामने आया। यहां एक दरिंद पांच साल की बच्ची को बहला-फुसलाकर नदी किनारे ले गया और वहां उसके साथ घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। इस घटना के सामने आने के बाद परिजनों और सेन समाज के लोगों में भयंकर आक्रोश व्याप्त है।

सेन युवा संगठन नगर अध्यक्ष अनिल वर्मा ने बताया कि घटना के विरोध में शुक्रवार को समस्त सेन समाज और सेन युवा संगठन ने मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नारेबाजी कर ज्ञापन दिया। समाजजन सर्वप्रथम सेन समाज धर्मशाला में एकत्रित हुए। वहां से एसपी ऑफिस पहुंचे। एसपी कार्यालय में बलाकारी को फांसी दो..., बालिका पर अत्याचार नहीं सहेंग सेन समाज... आदि नारेबाजी कर ज्ञापन सौंपा। जापान में बताया कि हरदा जिले के छीपामड थाना क्षेत्र में 23 सितंबर की शाम को खारी टिमरनी चौकी रोशनी, किल्लेद, जिला खण्डवा निवासी सुनील पिता जयनारायण जाति कोरकू उम्र 22 वर्षीय आरोपी पांच साल की बच्ची को नदी किनारे ले गया। इसके बाद उसने मासूम के साथ दुष्कर्म किया। घिनौनी वारदात के दौरान दर्द से कराहती और रोती हुई बच्ची की आवाज एक राहगीर ने सुनी। बच्ची की आवाज सुन जब राहगीर उसकी ओर बढ़ा तो आरोपी वहां से भाग निकला। दरिंदगी के बाद से मासूम सिल्ली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती है, जहां उसका इलाज चल रहा है। दरिंदगी करने वाला आरोपी खंडवा जिले का रहना वाला है, जो एक महीने पहले ही जेल से छूटकर आया है। सेन समाज मांग करता है कि शीघ्र ही आरोपी को गिरफ्तार कर फांसी दी जाकर आरोपी के मकान पर बुलडोजर चलाया जाए। जापान के दौरान अशोक चौहान, कचरूलाल वर्मा, रामेश्वर राठौड़, रामेश्वर नांगेश, दिनेश श्रीवास, प्रदीप सेन, समाज अध्यक्ष महेश बोडाने, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष जीतु चौहान, पूर्व नगर अध्यक्ष राकेश वर्मा, नगर सचिव अजय परमार, नगर संयोजक अशोक वर्मा, नगर सह संयोजक राकेश वर्मा, नगरमंत्री अजय वर्मा, चेतन राठौड़, अरूण परमार, अजय श्रीवास, हरिश श्रीवास, नितेश सेन, राकेश श्रीवास, राहुल राठौड़, हेमू वर्मा, ओमप्रकाश सेन, गोपाल वर्मा, रूप्तेश वर्मा, भावेश सेन, गौरव सेन, गौरव श्रीवास, सुनील वर्मा, धीरज सेन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

संकुल प्राचार्यों की समीक्षा बैठक में शामिल हुई कलेक्टर

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले डाइस्ट सभाकक्ष में गुरुवार को आयोजित संकुल प्राचार्यों की समीक्षा बैठक में शामिल हुईं। उन्होंने अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षक का दर्जा अपने आप में महत्वपूर्ण है। शिक्षक समाज में उच्च



आदर्श स्थापित करने वाला व्यक्तित्व होता है।शिक्षक ही अपने विद्यार्थी का जीवन गढ़ता है और शिक्षक ही समाज की आधारशिला है। समीक्षा बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्योहार ने एमपी टास, नेशनल अचीवमेंट सर्वे, दिव्यांग छात्रों का पंजीकरण एवं शिक्षा विभाग के अन्य लक्ष्यों का विस्तृत विवरण कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने इन लक्ष्यों की प्राप्ति पर संतोष जताते हुए कहा कि और तीव्र गति से इन लक्ष्यों को प्राप्त करें। इस दौरान कलेक्टर को शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक शाला गाडवारा के प्राचार्य श्री सुशील शर्मा ने अपनी साहित्यिक कृतियां भेंट स्वरूप प्रदान की। बैठक में डीपीसी, एडीपीसी, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं जिले के समस्त संकुल प्राचार्य मौजूद थे।

विचार गोष्ठी और सम्मान समारोह आयोजित

नरसिंहपुर। वरिष्ठ जन परिषद नरसिंहपुर द्वारा राम जानकी मंदिर धनारे कालोनी नरसिंहपुर में विचार गोष्ठी और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। हनुमान चालीसा पाठ और मां सरस्वती की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम चरण में वरिष्ठ सदस्य पं.ओ पी स्वामी,पं.एम एल हरदेनिया भाई राजेंद्र सिंह पटेल का परिषद द्वारा पुष्पमाला शाल प्रीतल से स्वागत सम्मान और नागरिक अभिन्नंदन किया गया।कार्यक्रम के दूसरे चरण में हिंदी पखवाड़ा समापन, नवरात्रि का आम्रान और पितृपक्ष के मौके पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें वक्ताओं ने विचार रखे। डॉ. महेश त्रिपाठी गणेश कुमार चतुर्वेदी डी डी गोस्वामी एम एल हरदेनिया ने तर्पण श्राद्ध के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि यह पक्ष हमें बुजुर्गों की सेवा और सम्मान की प्रेरणा देता है।बी एस पटेल एड.जोगेन्द्र सिंह ओ पी गोस्वामी और प्रेमशंकर रावव ने कहा कि नवरात्र मां के आरधन वंदन का पर्व है।हैमम सदैव बहू बेटियों सहित मातृ शक्ति का सम्मान करें। हिंदी पखवाड़ा समापन पर साहित्यकार अशोक त्रिपाठी रमाकांत गुप्ता नीर सी बी शर्मा ने कहा कि हिंदी भाषा राष्ट्र के गौरव और गरिमा की भाषा है।हैम सब मिलकर हिन्दी भाषा को समृद्ध बनायें। उपस्थित सभी वरिष्ठ जनों ने अपने अपने सुविचार व्यक्त किये।

जनपद

तर्पण के पहले सफाई - माफी क्या काफी

नर्मदापुरम। आखिर हमारे पुरखों को जो आज तक मिल रहा वो उनके मौन नजर अंदाज करने का जल है और आगे हमें जो मिलेगा वो हमारे मौन नजरंदाज करने का मिलेगा। विश्व प्रसिद्ध व्हीआईपी सुरक्षित संरक्षित सेवानी घाट से लगकर वर्षों से 360 दिन तो नगर भर का दूषित गंदगी युक्त निस्तारी पानी लगातार नर्मदा में झरने के भाति गिरकर मिलता रहता है। दिवंगत डॉ जेपी पल्हर्य की सोच नर्मदा में प्रदूषित गंदा पानी नहीं मिले उसे लेकर गोछियां, राजनेताओं से मिलकर इस असंभव कार्य को संभव बनाने की कोशिश आज भी सफल नहीं हो पाई। मुख्यमंत्री रहे अर्जुन सिंह के समय जरूर उन्हें अपने इस दिशा में सफलता मिली, सांसद रामेश्वर नीखरा के प्रयास का प्रतिफल दिखाई दिया। नाले घाट के नाले से नर्मदा में गिरने वाला गंदा पानी लिफ्टिंग कर दूर भीरपुरा क्षेत्र



के आगे शोधन कर छोड़ने के प्रयास में अंडर ग्राउंड डाली गई पाइप लाइन कुछ समय कारगर साबित रही फिर ढाक के तीन पात.. सभी इस नाले को रोकने को लेकर नई कवायद, प्रतिज्ञा, तकनीक प्रयोग क्या कुछ नहीं किया लेकिन नर्मदा जयंती के लिए पांच दिन (पूरे मोहल्ले के पानी सप्लाई कटौती कर) रोककर बाकी 360 दिन केवल तकातकी करते निकालते हैं। कुछ नजरे इस विषय पर लगातार बनी रहती संवर्धितों को आए दिन इस मामले का हल निकलवाने के लिए सलाह, कटाक्ष क्या कुछ नहीं करते लेकिन राजनीति की मोटी खाल पर कोई असर नहीं, नगरपालिका अध्यक्ष रहे अखिलेश खंडेलवाल तो आज तक नंगे पैर रहकर एक तरह जूते चप्पल नहीं पहनकर पैसे बचा रहे पर इस दशा से निकालने का हल नहीं ढूढ़ पा रहे...।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित मुख्यालय परिसर में बैंक कर्मचारियों द्वारा समग्र स्वच्छता अभियान चलाकर मुख्यालय परिसर में साफ-सफाई की गई



धार। ' 'स्वच्छता ही सेवा' ' पखवाड़े (विशेष साफ सफाई अभियान) के तहत जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित मुख्यालय परिसर में बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं मुख्यालय, शाखा के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा समग्र स्वच्छता अभियान चलाकर मुख्यालय परिसर में झाड़ू लगाई गई एवं साफ सफाई की गई। ' 'स्वच्छता ही सेवा' ' पखवाड़े विशेष साफ सफाई अभियान के संबंध बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी के.के. रायकवार ने कहा कि स्वच्छता पखवाड़े का अर्थ है जन-जन तक स्वच्छता का संदेश पहुंचाना। जिस प्रकार अपने कार्यालय की सफाई जरूरी है। उसी प्रकार मनुष्य के तन और मन की सफाई भी उसनी ही जरूरी है। साफ सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस अवसर पर अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

कन्या शाला में स्वच्छता को लेकर प्रतियोगिताओं का आयोजन



सुबह सवेरे सोहागपुर। नगर पंचायत परिषद के तत्वावधान में शासन के निर्देशानुसार 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत कन्या शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में चित्रकला,निबंध लेखन, स्लोगन, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 27 छात्राओं ने

चित्रकला, 6 छात्राओं ने निबंध एवं 6 छात्राओं ने स्लोगन प्रतियोगिता में भाग लिया।इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ अनूप सोनी,मधुलिका मसीह,नवीन भावसार,पीसी कोरी, राकेश पटेल, राम मूर्ति पटेल, निरंजना दुबे, बीपी ब्रम्हवशी, अजयलाल, नगर पंचायत परिषद के अमित परसाई ,नीरज मलैया, प्रांजुल दीवान,

दीपककुमार आदि उपस्थित थे।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी राकेश मिश्रा ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत नगर के स्कूलों में स्वच्छता प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत मिशन दिवस के दिन विजेता छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा।

नवरात्रि पर्व पर भक्तों को कोई असुविधा नहीं होगी

स्टेट प्रेस क्लब के पत्रकारों से अधिकारियों ने किया वादा

देवास/ नवरात्रि में माता टेकरी पर वाले लाखों भक्तों और दर्शनार्थियों को किसी तरह की असुविधा न हो और सुगमता से दर्शन हो सके इसके लिए पूरी प्रशासनिक टीम वचनबद्ध है। पर्व की तैयारियों में लोग दिन रात लगे हैं और समय से पहले सब काम पूरे हो जाएंगे। यह बात प्रशासनिक अधिकारियों ने कही। वे स्टेट प्रेस क्लब मग्न से जुड़े इंदौर, देवास के पत्रकारों के मिलन समारोह में बोल रहे थे। स्टेट प्रेस क्लब मग्न इंदौर के पत्रकारों की टीम अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल के नेतृत्व मे गुरुवार शाम देवास माता दर्शन और नवरात्रि पूर्व तैयारियों के अथलेकन हेतु पहुंची थी। देवस्थान समिति अध्यक्ष और एसडीएम बिहारी सिंह ने उपस्थित पत्रकारों को आभरस्त किया और कहा कि नवरात्रि पर्व देवास का सबसे बड़ा आयोजन है जहाँ लाखों की संख्या में लोग माता रागी के दर्शनों के लिए देवास आते हैं, जिन्हें सुगमता से

दर्शन हो सके।

नगर निगम आयुक्त रजनीश कसेरा ने कहा कि भक्तों की सुविधा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं और पर्व शरू होने से पहले ही सभी व्यवस्थाएं चालू करवाई कर ली जायेगी। एडीएम प्रवीण फुलपगारे ने कहा कि प्रशासनिक टीम अपने बोते साल के अनुभवों के साथ साथ भक्तों को बेहतर सुविधा और सुगमता से दर्शन करवाने के लिए तैयार हैं और सभी तैयारी लगभग अंतिम चरण में है। स्टेट प्रेस क्लब मग्न द्वारा इस अवसर पर अधिकारियों तथा देवास के पत्रकारों का सम्मान किया गया और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए गए । टीम की आगवानी राग वेस्टेंडर तथा स्वागत माता टेकरी पर देवास के पत्रकारों तथा स्टेट प्रेस क्लब देवास के सदस्यों द्वारा किया गया। शाम अचानक बदले मौसम के बावजूद इस गरिमामयी आयोजन और दर्शनों का आनंद बड़ी संख्या में आए परिवारो ने लिया।

माताजी टेकरी पर नवरात्रि पर्व की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित

नवरात्रि पर्व पर पार्किंग की ऐसी व्यवस्था करें की श्रद्धालुओं को ज्यादा दूर पैदल नहीं चलना पड़े : विधायक श्रीमती पवार

देवास। जिले में नवरात्रि पर्व 3 अक्टूबर से मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व की तैयारियों के संबंध में बैठक मां चामुंडा शासकीय देवस्थान प्रबंध समिति कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में देवास विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय, नगर निगम सभापति श्री रवि जैन, नगर निगम आयुक्त श्री रजनीश कसेरा, अपर कलेक्टर श्री प्रवीण फुलपगारे, एसडीएम श्री बिहारी सिंह, पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत, नगर निगम, वन विभाग, यातायात, स्वास्थ्य विभाग, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार ने कहा कि पार्किंग की ऐसी व्यवस्था करें की दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को ज्यादा दूर पैदल नहीं चलना पड़े। माताजी टेकरी और शहर में सजावट करें। शहर के मुख्य मार्ग पर लाईटिंग लगाये। नवरात्रि में चलने वाले भण्डारों के पास बड़े-बड़े डस्टबिन रखें। नागरिकों को जागरूक करें की कचरा डस्टबिन में ही डाले। नवरात्रि के दौरान देवास शहर के नागरिक चार पहिया वाहन का उपयोग करें से कम करें। जिससे ट्रफिक व्यवस्था में सुविधा रहे।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि नवरात्रि पर्व पर देवास शहर में विभिन्न स्थानों पर भण्डारों

से वितरित होने वाली खाद्य सामग्रियों की जांच करें। कन्ट्रोल रूम में सभी संबंधित विभागों से अधिकारी प्रतिनिधि के रूप में रहें। दो कन्ट्रोल रूम बनाये एक माताजी टेकरी पर और एक शंख द्वारा के पास। टेकरी पर टेढ़ वालों की दुकानें नहीं लगने दें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिये कि शंख द्वार, सीढ़ी द्वार एवं जैन मंदिर के पास मेडिकल काउंटर लगाएं। डाक्टरों एवं स्टॉफ की मय एंबुलेंस, ऑक्सीजन, दवाइयों के 24 घंटे ड्यूटी लगाएं। व्हील चेयर की व्यवस्था भी करें। टीम के पास बीपी, शुगर, सीजनल दर्वाइयां आवश्यक रूप से हो यह सुनिश्चित कर लें। ट्रैफिक और स्वच्छता दल बनाओ जिसमें 9वीं से 12वीं तक के छात्रों का शामिल करें। मजिस्ट्रेट सभी विभागों के ड्यूटी आदेश अपने पास रखें और निरंतर निरीक्षण करते रहें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि टेकरी पर जितने कार्य प्रगतिरत है उन्हें 30 सितम्बर तक पूर्ण करें लें। नवरात्रि में टेकरी पर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन हों, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक दर्शन की सुविधा की दृष्टि से टेकरी पर पानी व छाया सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाए। टेकरी पर कंट्रोल से 24 घंटे मॉनिटरिंग करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने

राष्ट्रीय सेवा भारती ने सुपोषण जागरूकता अभियान चलाया

भोपाल। राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा सुपोषण जागरूकता को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में धार जिला सेवा भारती समिति धार द्वारा 26 सितम्बर से 2 अक्टोबर तक सुपोषण जागरूकता अभियान सुपोषण सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। आज से सप्ताह का शुभारंभ किया गया।

अभियान का उद्घाटन केन्द्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा किला मैदान धार में किया गया।कार्यक्रम में विशेष अतिथि अरविंद जी चौधरी विभाग कार्यवाह,धार रा.स्वयंसेवक संघ उपस्थित रहे।

केन्द्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा अपने उद्घोषण में भारत सरकार द्वारा 1 सितम्बर से 30 सितम्बर तक सुपोषण जागरूकता एवं स्वास्थ्य अभियान चलाये जाने की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का सपना सेवा भारती समिति जैसी संस्थाएं ही कर सकती है।

विधायिका नीना वर्मा द्वारा सेवा भारती द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। उनके द्वारा कुपोषण कार्यक्रम में जनजागृति लाने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कुपोषण मिटाने हेतु परिवार में माता को कुपोषित बच्चे पर अधिक ध्यान देना होगा एवं उसे घर में ही पोषण आहारा देना होगा।

शैलेन्द्रजी महानज प्रांत सेवा प्रमुख मालवा प्रांत रा.से.संघ ने अपने उद्घोषन में कहा कि देश



के 37 प्रतिशत बच्चे कुपोषित है। वर्तमान में बाहर से खाना मंगाने का प्रचलन चल रहा है जो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

कार्यक्रम का संचालन सेवा भारती धार की उपाध्यक्ष चेतना राठौर द्वारा किया गया। रीतेश जी अग्रवाल द्वारा मंचासीन अतिथियों का परिचय कराया गया। सेवा भारती धार के सचिव वैभव जी निगम द्वारा सेवा भारती द्वारा संचालित प्रकल्पों की जानकारी दी गई। आभार प्रदर्शन

सेवा भारती के अध्यक्ष अनिल जी जैन द्वारा किया गया।

सावित्री ठाकुर एवं नीना वर्मा द्वारा बच्चों को बिरिस्ट पेकेट वितरित किए गए।सेवा भारती द्वारा जांच हेतु आए हुए मरीजों को गुडू चनें का वितरण किया गया।शिशिर में भोज चिकित्सालय के सहयोग से लगभग 350 मरीजों का स्वास्थ्य परिक्षण किया गया रक्त, बीपी की जांच कर औषधि वितरण की गई।

विशेष प्रयासों से 75 प्रतिशत बच्चों ने हासिल की दक्षता

लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक ने प्राचार्य और उनकी टीम को दी शुभकामना संदेश

नरसिंहपुर। जिले के सीएम राइज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोभो ने कक्षा चौथी व 8 वीं के विद्यार्थियों में हिंदी, गणित एवं अंग्रेजी विषय में अपनी मूलभूत दक्षता स्तर तक की समझ नहीं होती थी। प्राचायों ने बच्चों में दक्षता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रयास किये और उन्हें सफलता हासिल हुई। विद्यालय के कक्षा चौथी से 8वीं तक के विद्यार्थियों के दक्षता उन्नयन के लिए विगत वर्ष निरंतर प्रयास किये। संस्था स्तर पर विद्यार्थियों को स्तर अनुरूप अंकुर,तरुण एवं उमंग समूह में विभाजित कर निरंतर अभ्यास कराया गया। सभी शिक्षकों के द्वारा प्रभावी पाठ्योजनानुसार अध्यापन कराया गया। कक्षागत प्रक्रियाओं जैसे प्रभावी हुक, कोल्डकालिंग और रेमेडियल कक्षाओं का नियमित संचालित किया गया। प्रत्येक 25 विद्यार्थियों के समूह के लिए वार्डन शिक्षक नियुक्त विद्यार्थियों की प्राप्ति के संबंध में उनके पालकों को सतत सूचना प्रदान करते हुए उन्हें घर पर विद्यार्थियों की गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। भयमुक्त वातावरण का निर्माण करने के लिए सभी स्कूल प्रोसेस जैसे मॉनिंग मीटिंग, व्यवहार टेकर, प्रभावी प्रिंट रिच एवं आकर्षक प्रार्थना सभा के आयोजन के साथ ही प्रत्येक शनिवार थीम गतिविधियां तय कर बालसभा का संचालन किया गया। इसका परिणाम ये रहा कि संस्था के 75 प्रतिशत विद्यार्थियों ने मूलभूत दक्षता प्राप्त कर ली है।राज्य शासन द्वारा थर्ड पार्टी को इसका परीक्षण करने के लिए नियुक्त किया गया था। परीक्षण उपरांत विद्यालय को दक्ष विद्यालय घोषित कर दिया है। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के संचालक श्री डीएस कुशवाहा ने संस्था प्राचार्य श्री अंजेश कुमार पटेल एवं सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए शुभकामना संदेश पत्र प्रेषित किया है। इनकी इस उपलब्धि से संस्था ने जिले का नाम प्रदेश स्तर पर दर्ज कराया है। किसी भी शासकीय विद्यालय के लिए ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे जनमानस में सीएम राइज विद्यालयों के प्रति विश्वास जागा है। इनकी इस उपलब्धि पर ग्रामवासियों और बच्चों के अभिभावकों ने संस्था के प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए स्कूल की सराहना की।

